देशबन्धु

वर्ष – 37 । अंक –260 । भोपाल, सोमवार 21 सितम्बर 2026 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का इंडोनेशिया पर बड़ी जीत से आगाज पृष्ठ 2
▸ राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे
▸ हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय' पृष्ठ 4
▸ तहसीलदार की समझाइश के बाद कब्जाधारी ने छोड़ी जमीन पृष्ठ 6
साढ़े 3 लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी पृष्ठ 8

सार-समाचार

इंडिगो की उड़ान ने इमरजेंसी के चलते लखनऊ में की लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान को मेडिकल इमरजेंसी के चलते शनिवार देर रात लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया और वहां विमान की लैंडिंग हुई। यह जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बैंकॉक से दिल्ली की उड़ान के दौरान एक यात्री की स्वास्थ्य स्थिति अचानक गंभीर हो गई थी, जिसे देखते हुए पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान 6ई1054, बैंकॉक से दिल्ली जा रही थी, जिसे एक यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ने के कारण लखनऊ डायवर्ट किया गया। यात्री को सीने में तेज दर्द और सांस लेने में परेशानी की शिकायत थी।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एक्ट में बदलाव की हो रही तैयारी

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) चार्टर्ड अकाउंटेंट्स से जुड़े कानून और नियमों में बदलाव चाहता है और इसके लिए वह सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। आईसीएआई की केंद्रीय परिषद के सदस्य सतीश कुमार गुप्ता ने शनिवार शाम यहां बताया कि साल 1949 में संस्थान की स्थापना के बाद से पहली बार परिषद 'चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एक्ट, नियम और शिड्यूल में बदलाव पर विचार कर रहा है। इसमें कई तरह के बदलाव सुझाए गए हैं। मीडिया से एक मुलाकात के दौरान उन्होंने बताया कि आईसीएआई इस दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है और जल्द ही ठोस परिणाम देखने को मिलेंगे।

डंपर ने क्रेन, ऑटो को मारी टक्कर, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार इलाके में रविवार तड़के एक डंपर ट्रक ने खड़ी क्रेन और ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 3:20 बजे हुआ। हरियाणा का डंपर नोएडा से आ रहा था और उसने सड़क पर खड़ी क्रेन तथा ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि क्रेन और ऑटो का इस्तेमाल ट्रैफिक पुलिस के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने वाले कर्मचारी कर रहे थे। इसी दौरान डंपर ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान संगम विहार निवासी उमेश (23) और प्रवीण (35) तथा एचआर प्रबंधक सूरज (34) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सूरज के बारे में अन्य जानकारी उनके नियोक्ता से जुटाई जा रही है।

इमरान खान की बहन अलीमा खान लाहौर में गिरफ्तार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान को रविवार को लाहौर स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा 27 सितंबर को इस्लामाबाद में प्रस्तावित विरोध मार्च से कुछ दिन पहले हुई है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' ने पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया कि अलीमा खान को 1960 के मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर अध्यादेश की धारा तीन के तहत हिरासत में लिया गया है। लाहौर जिला प्रशासन की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, उन्हें 30 दिनों तक हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

गणपति पंडाल के पास विद्युत करंट से 2 की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मध्य मुंबई में शनिवार देर रात एक गणपति पंडाल के पास करंट लगने से एक नाबालिग लड़की और एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना दक्षिण-मध्य मुंबई के कालाचौकी में दत्ताराम लाड मार्ग पर कालाचौकी विभाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के पास कल रात करीब 0220 बजे हुई, जहां गणपति दर्शन के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। मुंबई अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी करीब 0242 बजे मिली और वे मौके पर पहुंचे। मंडल के प्रवेश के पास एक अस्थायी पीने के पानी के स्टॉल पर करंट का पता चला। अग्निशमन विभाग, मुंबई पुलिस, बेस्ट और ई-वार्ड नागरिक अधिकारियों के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत बिजली आपूर्ति काट दी और एहतियात के तौर पर इलाके को भी घेर लिया गया था। बेस्ट अधिकारियों के मुताबिक पोल नंबर डीएलएम-14 के पास दिग्विजय मिल चॉल में निरीक्षण किया गया, जहां गणपति लाइटिंग और कोल्ड-ड्रिंक स्टॉल के लिए एक अस्थायी बिजली मीटर लगाया गया था।

विशेष गहन पुनरीक्षण में विवरण का नहीं हुआ मिलान

दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके

आडवाणी, सिसोदिया केजरीवाल व कपिल सिब्बल शामिल

नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है। इस सूची में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं।

29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे दस्तावेज

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे, जबकि दावों और आपत्तियों का चरण 30 सितंबर को समाप्त होगा।

फॉर्म में विसंगतियों के चलते दिया नोटिस : 30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने चीता प्रोजेक्ट की सफलता पर जताई प्रसन्नता

कुनबा बढ़ा, गांधी सागर अभयारण्य में दौड़ी राधा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नीमच-मंदसौर जिले के गांधी सागर वन्य अभयारण्य में मादा चीता राधा को छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा राधा अष्टमी के उपलक्ष्य में मादा चीता का नामकरण राधा किया। डॉ. यादव ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रारंभ हुआ चीता प्रोजेक्ट सफलता के नये मानदण्ड स्थापित कर रहा है।

वहीं मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुके वन जीवों को पुर्नस्थापित करने का कार्य किया जा रहा है। गत वर्ष छोड़े गये चीतें पूरी तरह स्वस्थ है। डॉ यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में चीता प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है, प्रदेश में चीतों की बढ़ती हुई संख्या इसका प्रमाण है। हमारा सौभाग्य है मध्यप्रदेश वन्यजीवों की विविधता से भरपूर है। हमारा प्रदेश चीता स्टेट के साथ टाइगर स्टेट, घड़ियाल स्टेट और गिद्ध स्टेट के रूप में भी जाना जाने लगा है। असम से जंगली भैंसे भी लाएं गए हैं और प्रदेश में गजराज की संख्या भी लगभग 100 हो गई है। गांधी सागर अभयारण्य में छोड़े गए चीतों से वन्यजीव संरक्षण के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय नागरिकों के लिये रोजगार एवं आजीविका के लिए नए अवसर मिलेंगे। डॉ यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रदेश का चीता प्रोजेक्ट एशिया का पहला प्रोजेक्ट है। एशिया से चीते गायब हो गए थे, प्रधानमंत्री श्री मोदी के आशीर्वाद से राज्य सरकार ने संकल्प लिया और चीतों के पुनर्वास का अभियान शुरू किया। प्रदेश में चीतों की संख्या अब लगातार बढ़ती जा रही है। जहां सैकड़ों साल पहले चीतें विलुप्त हो गए थे, वहीं अब वे स्थानीय वातावरण में खेलते-कूदते दिखाई दे रहे हैं। यह वन्य जीवों के प्रति जीवों और जीने दो के सिद्धांत के आधार पर प्राप्त उपलब्धि का प्रतीक है।

रोजगार के नए अवसर मिलेंगे

गृहमंत्री अमित शाह की बिगड़ी तबीयत

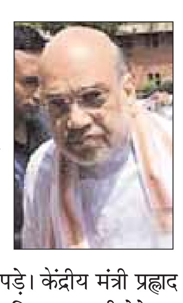

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए, जिसके चलते उन्हें अपने सभी तय सार्वजनिक और उद्घाटन कार्यक्रम रद्द करने पड़े। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बात की आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि अब अमित शाह की सेहत में सुधार है और वह पूरी तरह ठीक हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मीडिया से बातचीत

कर्नाटक दौरे पर फूड पॉइजनिंग के चलते रद्द हुए कार्यक्रम

में स्पष्ट किया कि फूड पॉइजनिंग और उल्टी होने के कारण अमित शाह को काफी कमजोरी आ गई थी, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें सफर न करने की सलाह दी। शाह की गैरमौजूदगी में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टार ने संयुक्त रूप से संस्थानों का उद्घाटन संपन्न कराया। जोशी ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद गृह मंत्री की हालत अब सामान्य और स्थिर है।

आईआईटी बॉम्बे आत्महत्या मामला : प्रोफेसर पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, एजेंसी। आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डल्ला पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। साहिल के पिता ने प्रोफेसर पर बेटे को करीब 3 महीने से जातिसूचक गालियां देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिश बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और एस सी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच अब मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। साहिल 22 साल का था और एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकंड ईयर बीटेक का छात्र था।

मणिपुर के फिर हिंसक प्रदर्शन

- कांगपोकपी में प्रदर्शनकारियों ने नेशनल हाईवे खोदा, पत्थर फेंके
- 7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत का विरोध कर रहे थे

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब कांगपोकपी जिले में 7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए। मोतबुंग और आसपास के इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें रोकीं, टायर जलाए और सरकारी वाहनों पर पत्थर फेंके।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने बाद में सातों गांव स्वयंसेवकों को छोड़ दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया और जिले में स्थिति नियंत्रण में है। प्रदर्शनकारियों का दावा था कि खोलेन गांव के सात लोगों को सुरक्षा बलों ने बिना कारण बताए हिरासत में लिया। खोलेन गांव जिले के नागा-बहुल चावांगकिनिंग गांव के पास है। खोलेन गांव पर हाल ही में हथियारबंद उपद्रवियों ने हमला किया था। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों को रोकने के लिए मोतबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (इंफाल-दीमापुर) के कुछ हिस्से भारी निर्माण उपकरणों से खोद दिए। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग घायल हुए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बाद में सात गांव स्वयंसेवकों को रिहा कर दिया। अधिकारी ने कहा, 'जिले में अब स्थिति नियंत्रण में है।'

सीआरपीएफ कार्रवाई की निंदा की

कुकी समुदाय के शीर्ष संगठन कुकी इनपी मणिपुर ने सात ग्रामीणों की हिरासत की निंदा की। संगठन ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पर हिरासत लेने का आरोप लगाया। बयान में कहा कि हथियारबंद उपद्रवियों द्वारा कुकी महिलाओं की हत्या के जिम्मेदार लोगों पर अधिकारियों ने पर्याप्त कार्रवाई नहीं की। इसके बजाय स्थानीय नागरिकों को हिरासत में लिया गया।

दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलर की पीट-पीटकर हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके कालकाजी में एक प्रॉपर्टी डीलर की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में मृतक प्रॉपर्टी डीलर का भी भाई गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसे बाद में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक की पहचान 48 वर्षीय मंजीत सिंह के रूप में हुई। परिजनों ने एक परिवार पर मंजीत सिंह की हत्या और उसके दूसरे भाई से मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन ने कहा कि मंजीत सिंह की पीट-पीटकर हत्या की गई है। उन्होंने कहा, 'मेरे भाई को बुरी तरह पीटा गया। आरोपियों ने उसे वहीं मौके पर ही मार डाला।' रज्जी चौधरी नाम की महिला पर आरोप लगाते हुए मंजीत की बहन ने कहा, 'रज्जी चौधरी अपने पति, बेटों और बेटी के साथ मौजूद थी। वे सभी इसमें शामिल थे और सबने मिलकर उसे मारा। उन्होंने मंजीत के सिर पर वार किया। मेरे भाई के सिर पर किसी चीज से चोट पहुंचाई। सिर पर चोट लगने से वह गिर पड़ा।

छात्रा के सवाल पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

सरकार के पास दिया जलाने का पैसा, हॉस्टल का नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में एक छात्रा द्वारा पूछे गए सवाल पर सरकार को घेरा है। उन्होंने रविवार को एक्स पर अपनी पोस्ट में छात्रा का सवाल लिखा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है-हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि यह सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। गांव से पढ़ने शहर आई छात्रा ने कहा कि हॉस्टल है नहीं, तो पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने में लाखों खर्च हो जाते हैं। हर महीने किराए की चिंता और बेघर होने का डर इसी में पढ़ाई करनी पड़ती है। कई लड़कियां इसी वजह से पढ़ाई छोड़ देती हैं। सिर्फ इसलिए कि रहने की जगह नहीं है। आवास भत्ता महंगाई के साथ बढ़ना नहीं और ऊपर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी से इस सवाल का जवाब मांगते हुए कहा कि क्या उस बच्ची के सवाल का कोई जवाब है। इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी कोटा, पुणे, प्रयागराज आदि स्थानों पर छात्रों से संवाद कर चुके हैं।

शिक्षा-रोजगार जैसे मुद्दों पर बात की : राहुल गांधी ने शनिवार को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के पांचवें संस्करण में हिस्सा लिया। इसका विषय 'सिस्टम बनाम स्टूडेंट्स' था। यह कार्यक्रम इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में भी हो चुका है। इंदौर में छात्रों ने शिक्षा, भर्ती, परीक्षा, आरक्षण, हॉस्टल और रोजगार से जुड़े मुद्दे उठाए।

राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े : कांग्रेस

कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस पर शिक्षा व्यवस्था को खोखला और भ्रष्ट करने का आरोप लगाया। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी छात्रों के साथ खड़े हैं, इसलिए सरकार से सवाल पूछ रहे हैं और जवाबदेही मांग रहे हैं।

कांग्रेस जोकरों की पार्टी बन गई है: भाजपा

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी की आलोचना की। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

अमेरिका हमला करने की तैयारी में: ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के मिलिट्री हेडक्वार्टर ने मध्य पूर्व के देशों को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उनके ठिकानों से ईरान पर फिर से बड़े हमले करता है, तो उन्हें भी 'साझेदार' माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमांड ने ये बयान जारी किया, जिसके मुताबिक उन्हें जानकारी मिली है कि अमेरिका, कुछ क्षेत्रीय देशों के समर्थन से, ईरान के खिलाफ फिर से कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि सेना का कहना है कि अमेरिका के किसी भी हमले के जवाब में इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और हितों पर लगातार हमले किए जाएंगे। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय देशों को भी इस संघर्ष में साझेदार माना जाएगा। खातम अल-अंबिया हेडक्वार्टर ने बयान में कहा, 'हम चेतावनी देते हैं कि अगर इस इलाके के देश इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रति अपनी दोहरी नीति जारी रखते हुए एक ताकतवर और संप्रभु ईरान के खिलाफ अमेरिका के आक्रामक हमले में साथ देते हैं, तो उन्हें भी इस काम में साझेदार माना जाएगा और वे ईरान की ताकतवर सेना से संयम या शालीनता की उम्मीद नहीं कर सकते।' ये बयान मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। दरअसल, पिछले कुछ घंटों में अमेरिका ने मध्य पूर्व में मौजूद अपने दूतावासों, मिशनों और नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

- सैन्य कमांड ने कहा, साझेदारों को भुगतना पड़ेगा अंजाम
- अचानक व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप

अटकलों को हवा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर लौटने की वजह से भी उड़ी। शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने स्पष्ट नहीं की। इस बीच ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी।

टाटा संस के फैसले की वैधता पर सवाल उठाया

चंद्रशेखरन की नियुक्ति को दी चुनौती

मुंबई, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स ने रविवार को यह कहते हुए टाटा संस के चेयरमैन के रूप में एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को चुनौती दी कि आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत, किसी भी प्रस्ताव के पास होने के लिए टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नामित डायरेक्टर्स का बहुलता में वोट होना आवश्यक है, जो कि इस प्रस्ताव को नहीं मिला।

टाटा संस में 66 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स ने अपने बयान में कहा कि टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स की ओर से दो नामित डायरेक्टर्स हैं और किसी भी प्रस्ताव को पास करने के लिए दोनों का पक्ष में होना जरूरी है और 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव खिलाफ एक डायरेक्टर ने विपक्ष में वोट दिया था, जो दिखाता है कि एओए में दी गई शर्त पूरी नहीं हुई है। बयान में आगे कहा गया कि टाटा संस के बोर्ड में दो टाटा ट्रस्ट्स के नामित डायरेक्टर्स हैं और बहुलता का मतलब दो है न कि एक। ट्रस्ट्स ने ग्रुप के अंदर कोई गतिरोध होने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड ने एक सवाल पूछा और एओए ने उसका जवाब 'नहीं' में दिया। कंपनी के अपने संविधान

- चेयरमैन के वोटिंग अधिकार पर भी दिया स्पष्टीकरण
- साइरस मिस्त्री मामले का भी दिया हवाला

से मिले सुरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करना कोई गतिरोध नहीं है। यह तो बस उस संविधान का उसी तरह काम करना है, जिस तरह उसे काम करने के लिए बनाया गया था। चेयरमैन के वोटिंग अधिकार पर स्पष्टीकरण देते हुए ट्रस्ट्स ने आगे कहा कि चेयरमैन का वोट तभी इस्तेमाल किया जा सकता है जब पूरे बोर्ड के स्तर पर वोट बराबर हों। यह नियम टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स पर लागू नहीं होता। वोट का नतीजा 4:1 था या कुछ और, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। केवल महत्वपूर्ण यह था कि शर्त या तो पूरी होती है या नहीं होती, इस मामले में शर्त पूरी नहीं हुई। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, एओए कोई ऐसी सुविधा नहीं है जिस पर जरूरत पड़ने पर तो भरोसा किया जाए और जरूरत न होने पर उसे नजरअंदाज कर दिया जाए।

टाटा संस ऐसा रुख नहीं अपना सकती, क्योंकि वह पहले ही इसके उलट रुख अपना चुकी है और सुप्रीम कोर्ट में जीत भी चुकी है। साइरस मिस्त्री को हटाए जाने से जुड़ी कार्यवाही में, आर्टिकल 104बी और 121 के तहत ट्रस्ट के नॉमिनी डायरेक्टर्स के 'अफर्मेटिव वोटिंग राइट्स' (सहमति वाले वोटिंग अधिकार) मुख्य मुद्दा थे। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने इन्हें दमनकारी माना और शिकायत करने वालों ने मांग की कि इन्हें हटा दिया जाए या सीमित कर दिया जाए।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का इंडोनेशिया पर बड़ी जीत से आगाज

दिलप्रीत ने हैट्रिक सहित चार, सुखजीत सिंह व शिलानंद लाकरा ने दागे दो-दो गोल

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह के हैट्रिक सहित चार, सुखजीत सिंह व शिलानंद लाकरा के दो -दो गोल से

■ भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों को केसरिया जर्सी रास आई

भारतीय पुरुष हॉकी ने लहरों की तरह हमले बोल कर कमजोर इंडोनेशिया को काकामिगहारा (जापान) में कावासाकी जूडो स्टेडियम में एशियाई खेलों में रविवार को पूल ए के अपने मैच में से 13-1 से हरा कर अपना अभियान दमदार ढंग से शुरू किया। भारत के लिए राजिंदर सिंह, मंदीप सिंह, जुगराज सिंह सुखजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह ने भी एक एक गोल किया।

पराजित इंडोनेशिया के लिए सम्मान बचाने वाला इकलौता गोल ओलिया अल अर्द्ध ने तीसरे क्वॉर्टर में दागा। इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने रविवार को भारत के स्ट्राइकरों के आधा दर्जन से ज्यादा लगभग निश्चित गोल न रोके होते तो उनकी टीम 20 गोल के अंतर से यह मैच हारती। भारतीय हॉकी टीमों के भारत से रवाना होने से पहले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा था कि एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें नीली जर्सी पहन कर खेलेंगी। सच तो यह है कि भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों को केसरिया जर्सी रास आई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के लंबे पास पर तीसरे मिनट डी के भीतर खड़े दिलप्रीत सिंह गेंद को गोल में नहीं डाल सके और भारत के हाथ आया खाता खोलने का मौका फिसल गया। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के पहले पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक को इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र ने रोका लेकिन लौटती गेंद को वहीं मंडराते शिलानंद लाकरा ने गोल में डाल कर भारत को मैच के छठे मिनट में 1-0से आगे कर दिया। भारत ने इसके बाद मैच पर अपनी पकड़ बनाई लेकिन इंडोनेशिया ने अपने किले की मुस्तैदी से चौकसी कर उसे गोल करने से रोका।

मंदीप सिंह ने डी के भीतर तेज शॉट जमाया लेकिन इसे भी इंडोनेशिया की रक्षापंक्ति के खिलाड़ी ने अपनी स्टिक पर अपने शॉट को ले रोक कर उन्हें गोल करने से रोका। अभिषेक नैन ने पहला क्वॉर्टर खत्म होने से तीन मिनट पहले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के एरियल पास पर डी के भीतर गेंद का संभाल तेज शॉट जमाया इसे इंडोनेशिया के गोलरक्षक ने रोका जरूर लेकिन लौटती गेंद पर उन्होंने फिर तेज शॉट जमा गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। अभिषेक ने दो मिनट बाद एक और एरियल पास पर गेंद संभाली लेकिन इंडोनेशिया की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने दीवार की तरह उनके शॉट को रोक लिया। भारत की टीम पहला क्वॉर्टर खत्म होने पर 2-0से आगे थी। दिलप्रीत ने दूसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में अभिषेक से मिले पास पर डी के भीतर तेज शॉट जमा बढ़िया मैदानी गोल कर भारत को 3-0से आगे कर दिया। दिलप्रीत ने अगले ही मिनट सुखजीत सिंह के बढ़िया पास पर अचूक शॉट जमा मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत को 4-0से और अगले ही क्षण सुखजीत सिंह के डी के भीतर तेज शॉट पर लौटती गेंद को राजिंदर सिंह ने संभाल कर गोल कर भारत को 5-0से आगे कर दिया। इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र ने अपने दाएं गोता लगा कर पेनल्टी स्ट्रोक पर भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पुश को रोका। मंदीप सिंह ने मैच के 21 वें मिनट में गोल कर भारत को 6-0से आगे कर दिया। सुमित ने इंडोनेशिया के फॉरवर्ड को गलत ढंग से रोका और उन्हें ग्रीन कार्ड दिखा कर दो मिनट के लिए मैदान से बाहर भेजा गया। मनप्रीत सिंह जैसे ही गेंद को गोल में डालने जा रहे थे उन्हें गलत ढंग से रोकने पर 28 वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर मिला और इसे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदल कर भारत को हाफ टाइम तक 7-0 से आगे कर दिया। इंडोनिशिया के ओलिया अल अर्द्ध ने तीसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर उंचे ड्रैग फ्लिक से गोल कर स्कोर 1-7 कर दिया। इंडोनेशिया ने विडियो रेफरल पर यह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया था। राजिंदर सिंह के डी के भीतर मिले पास पर शिलानंद लाकरा ने तीसरे क्वॉर्टर के पांचवें मिनट में गोल कर भारत को 8-1 से आगे कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

ऑलराउंडर दीपिका सहरावत के दोहरी हैट्रिक सहित दागे आठ और इशिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय टीम ने काकामिगहारा (जापान) में 20 वें एशियाई खेलों की हॉकी स्पर्द्धा में रविवार पूल बी में अपने अभियान का आगाज उज्बेकिस्तान की कमजोर टीम को 19-0 से करारी शिकस्त देकर किया। ल वर्षा करने वाली दीपिका सहरावत ने छह गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए ही साथ ही दो खूबसूरत मैदानी गोल भी किए। भारतीय महिला टीम के लिए ड्रैग फ्लिकर व स्ट्राइकर दीपिका सहरावत (आठवें, 22 वें, 25 वें, 33 वें 36वें , 38 वें 41 वें और 54 वें मिनट में) ने आठ, ,इशिका (11वें, 42 वें, 54 वें मिनट) ने तीन , नवनीत कौर (23 वें 45 वें मिनट) व ललथांतलुआंगी (43 वें 51 वें मिनट) ने दो- दो तथा ललरेमिसयामी (सातवें मिनट), नेहा (18 वें मिनट), बलजीत कौर (12 वें मिनट) व साक्षी राणा (43 वें मिनट) ने एक एक गोल किया। भारत की जीत में खास बात यह रही कि उज्बेकिस्तान पर इस बड़ी जीत में उसकी आठ अलग अलग खिलाड़ियों ने इस गोल वर्षा में योगदान किया।

■ दीपिका सहरावत ने दोहरी हैट्रिक सहित दागे आठ गोल

फाइनल में पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम

■ भारतीय महिला टीम फाइनल में श्रीलंका से भिड़ेंगी
■ शैफाली वर्मा ने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगाया शतक

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (देशबन्धु)। 22 बरस की ओपनर ओपनर शैफाली वर्मा के पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शतक की बदौलत मौजूदा चैंपियन भारत ने बांग्लादेश को कोरोगी स्पोटर्स पार्क, निशिन (जापान) में एशियाई खेलों के दूसरे महिला टी-20 क्रिकेट सेमीफाइनल में रविवार को 114 रन से करारी शिकस्त दी।

मिजाज से आक्रामक बैटर शैफाली ने अपने स्तर से कही धीमी बल्लेबाजी कर अपना अविजित शतक पूरा किया, लेकिन बावजूद इसके उनकी इस पारी में क्रिकेट प्रेमियों को नौ छक्के देखने को मिले। शैफाली वर्मा (104 छक्के) ने स्मृति मंधाना (100 छक्के) के भारत के लिए टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शैफाली (9 छक्के) ने साथ ही अपनी कप्तान हरमनप्रीत कौर(8 छक्के) को पीछे कर एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाली बैटर बन गई।

भारत ने हाल ही में दुबई में भी महिला टी-20 एशिया कप क्रिकेट में भी बांग्लादेश को 40 रन से शिकस्त दी थी। अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से एक कदम दूर भारतीय महिला क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार फाइनल में बुधवार को श्रीलंका से भिड़ेगी। भारत ने दुबई में एक हफ्ते पहले श्रीलंका को महिला टी 20 एशिया कप क्रिकेट फाइनल में 72 रन से हराया था। शैफाली वर्मा के तेज शतक की बदौलत भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए रविवार को निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन का मजबूत स्कोर बनाया। शैफाली वर्मा 49 गेंद खेल कर नौ छक्कों और तीन चौकों की मदद से 100 रन और भारती फूलमाली पांच गेंद खेल कर एक छक्के की मदद से नौ रन बनाकर अविजित रहीं। शैफाली वर्मा ने श्रोना अख्तर की गेंद को हल्के से कवर में खेल कर एक रन दौड़ कर अपना अविजित शतक पूरा किया। शैफाली वर्मा जैसे ही शतक पूरा कर मैदान से बाहर आई तो उनकी सलामी जोड़ीदार मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित पूरी भारत महिला क्रिकेट टीम ने तालियों से उनका जोरदार स्वागत किया। विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए ख्यात शैफाली वर्मा ने अहम सेमीफाइनल में जोश के साथ जरूरी होश दिखा कर दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी कर शतक जड़ा। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (3/7), बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचारिणी (2/7), श्रेयंका पाटील(1/22) की स्पिन त्रिमूर्ति और नौजवान तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा (3/25) और क्रांति गौड़ (1/20) ने गेंदबाजी इकाई के रूप में बेहतरीन गेंदबाजी कर बांग्लादेश को 15.4 ओवर में मात्र 81 रन पर ढेर कर भारत को बेहद आसान जीत दिला फाइनल में स्थान दिला दिया।

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में दी पाक को दी शिकस्त

कप्तान चामरी अट्टापट्टू की 50 गेंद पर छह छक्कों और सात चौकों की मदद से अविजित 81 रन की तूफानी पारी और उनकी हसिनी परेरा (42 रन, 26 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के साथ दूसरे विकेट की 95 रन की तूफानी भागीदारी की बदौलत श्रीलंका (17.5 ओवर में दो विकेट पर 178 रन) ने पाकिस्तान (20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन) को पहले सेमीफाइनल में आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। शावल जुल्फिकार (54 रन, 50 गेंद, दो छक्के, तीन चौके) और आयश जफर (71 रन, 40 गेंद, दो छक्के, 9 चौके) के अर्द्धशतक और तीसरे विकेट की 115 रन की भागीदारी भी पाकिस्तान के काम न आई।

भारतीय महिला टेबल टेनिस ने सिंगापुर के खिलाफ दर्ज की जीत

■ पुरुष टीम को ईरान से हार का सामना करना पड़ा

टोयोटा, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 में रविवार को भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वहीं, पुरुष टीम को ईरान से हार का सामना करना पड़ा। स्काई हॉल टोयोटा में 'ग्रुप एफ' के रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम सिंगापुर के खिलाफ भारत 1-2 से पीछे चल रही थी, लेकिन श्रीजा अकुला और यशस्विनी घोरपड़े ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, भारत ने अपने शुरुआती मैच में इंडोनेशिया को 3-0 से शिकस्त दी थी। भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंकों के साथ 'ग्रुप-एफ' में शीर्ष पर है। अब सोमवार को ग्रुप-स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। सिंगापुर के खिलाफ, यशस्वी ने जियान जेंग पर 3-1 से जीत के साथ मजबूत शुरुआत की, लेकिन इसके बाद श्रीजा को मिंग लोय के खिलाफ रोमांचक पांच-गेम वाले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वह 2-3 से हार गईं, जिससे मुकाबला बराबरी पर आ गया और फिर झाओ टैन ने दिया चितले को चार गेम में हराकर सिंगापुर को 2-1 की बढ़त दिला दी। मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम ने वापसी की। श्रीजा ने अपना पहला गेम 6-11 से हारने के बाद अगले तीन गेम 11-3, 11-7, 11-4 से जीतकर मैच 3-1 से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने 2-2 से बराबरी कर ली। यशस्वी निर्णायक मुकाबले के लिए लौटीं और पहला गेम 5-11 से हारने के बावजूद अगले दो गेम 11-8, 12-10 से जीते, लेकिन चौथा गेम 4-11 से हार गईं। पांचवां गेम भी काफी कड़ा रहा, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और आखिरी गेम 11-9 से जीतकर भारत को मुकाबला जिताया।

भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

आइची, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने रविवार को रजत पदक जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला पदक है। एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदरसा कोचलुमकल की तिकड़ी ने यहां आइची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में 16 टीमों के इवेंट में 1897 पॉइंट्स जमा किए और चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही। चीन ने 1904.2 के वर्ल्ड-रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेजबान जापान 1897.1 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रही और कांस्य पदक जीता। इस बीच, भारत की एलावेनिल और सोनम भी व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के बाद व्यक्तिगत इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। सोनम 57 एथलीट फील्ड में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने 634.1 पॉइंट्स बनाए, जबकि एलावेनिल 633.5 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं। तीसरी भारतीय, विदरसा, 630.4 के स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहीं। पहली सीरीज के आखिर में, तीनों ने मिलकर 316.9 पॉइंट्स बनाए। दूसरी सीरीज में उन्होंने 316.8 पॉइंट्स बनाए, जबकि तीसरी सीरीज में उन्होंने और भी बेहतर प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 317.9 पॉइंट्स बनाए और शानदार प्रदर्शन करते हुए 951.6 पॉइंट्स बनाए। चौथी सीरीज के आखिर में, भारतीय तीनों ने चौथी सीरीज में 316.2 पॉइंट्स जमा करके 1267.8 पॉइंट्स बनाए। वे आखिरों से पहले पांचवीं सीरीज में पिछड़ गए और 314.8 का स्कोर बनाया, फिर आखिरी सीरीज में 315.4 का स्कोर बनाकर 1898 पर खत्म किया, जो तीसरे नंबर पर मौजूद जापान से 0.9 ज्यादा था। वालारिवन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता है।

■ एलावेनिल, सोनम व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचीं

पीएम मोदी ने सिल्वर जीतने पर महिला टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने 10 मीटर मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत इवेंट में सिल्वर पर निशाना साधने वालीं इलावेनिल वलारिवन को भी सराहा है।

भारत की नई पीढ़ी कबड्डी में शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार

आइची नागोया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी आइची-नागोया में एशियन गेम्स के मंच पर जबरदस्त प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इस टीम में देवांक दलाल भी शामिल हैं, जो अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में हिस्सा लेने जा रहे हैं। 23 साल के देवांक भारतीय पुरुष टीम के सदस्य के तौर पर एशियाई खेलों में कबड्डी में अपना डेब्यू करेंगे। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 21 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। देवांक दलाल के लिए टीम का हिस्सा बनने से जिम्मेदारी का एहसास तो बढ़ा गया है, लेकिन उनका कहना है कि इससे कोई

अतिरिक्त दबाव नहीं आया है। दलाल ने कहा, 'मैं पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहा हूं। मैं अपने, अपने परिवार और अपने कोच के लिए खुश हूं। मैं सभी के लिए खुश हूं। अब जब मैं जा रहा हूं तो मेरी जिम्मेदारियाँ बढ़ गई हैं। मुझे भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना होगा। अगर भारत ने मुझे चुना है, तो मुझे यह करना ही होगा। आपको दबाव महसूस करने जरूरत नहीं है। दबाव और जिम्मेदारी दो अलग-अलग चीजें हैं। यहां सिर्फ जिम्मेदारी है, दबाव नहीं। हम दबाव जैसी चीज में भरोसा नहीं करते। अगर आप दबाव लेंगे, तो आप खेल नहीं पाएंगे। अगर आप खेलेंगे नहीं, तो भारत कैसे जीतेगा? हम बिना दबाव के खेलेंगे और जीतेंगे। 'हालांकि देवांक दलाल पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगे, लेकिन उनके आस-पास अनुभवी खिलाड़ी होंगे।हांगझोऊ 2023 में मेंस कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे असलम इनामदार का मानना है कि टीम के खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल और जान-पहचान से नए खिलाड़ियों को प्रतियोगिता से पहले टीम में घुलने-मिलने में मदद मिली है।

कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इचिनोमिया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत ने 'एशियन गेम्स 2026' में महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के 'राउंड ऑफ 16' म

■ पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर
■ कल क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा

कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा के शुरुआती दो मैच सीधे गेम में जीतने के बाद, तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा को शिकस्त देकर जीत का सिलसिला पूरा किया। मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा, जिसे पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। इसे जीतने वाला देश सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ मेडल भी पक्का कर लेगा। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला 24 मिनट तक चला। इसके बाद उन्नति हुड्डा ने एलिसा कुलेशोवा को 21-7, 21-10 से मात देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह मुकाबला 22 मिनट में खत्म हुआ। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी ने डायना नामेनोवा को सिर्फ 19 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से शिकस्त देकर जीत पूरी की। क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ कड़े सिंगल्स मुकाबले हो सकते हैं, जिसमें पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से और उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजाकी से हो सकता है। वहीं, डबल्स में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला जापान की बेहतरीन जोड़ियों से हो सकता है, जिनमें युकी फुकुशिमा-मायु मात्सुमोतो और की नाकानिशी-सुजू इवाना शामिल हैं। एशियन गेम्स में भारतीय महिला टीम ने अब तक डबल्स में सिर्फ एक ही मेडल अपने नाम किया है।

ऋषभ दास 100 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में

नागोया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय तैराक ऋषभ दास ने रविवार को हीट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वह 54.85 सेकंड के समय के साथ कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे। दास हीट 3 में तीसरे स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंचे, जिससे इस इवेंट में भारत की उम्मीदें बनी रहीं। वह दूसरे स्थान पर रहे जापानी तैराक हिदेकाजू ताकेहारा से 0.63 सेकंड पीछे रहे, जबकि चीन के एशियन रिकॉर्ड होल्डर जू जियायू 52.63 सेकंड के साथ कुल मिलाकर टॉप पर रहे। हालांकि, उनके हमवतन उत्कर्ष पाटिल फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। पाटिल ने 56.19 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में छठा और कुल मिलाकर 12वां स्थान हासिल किया, जिससे वह फाइनल के लिए रिजर्व हो गए। पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल हीट्स में भारत का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा।

■ टउत्कर्ष पाटिल फाइनल में जगह बनाने से चूके

सार संक्षेप

पुरुषों के चांगक्वान वुशु फाइनल में 11वें स्थान पर रहे सूरज

नागोया। भारत के सूरज सिंह मयंगलमबम रविवार को आइची-नागोया एशियन गेम्स में पुरुषों के चांगक्वान वुशु फाइनल में 11वें स्थान पर रहे। वह सिर्फ 0.040 पॉइंट्स से पदक जीतने का मौका चूक गए। आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में 21 एथलीटों के बीच मुकाबला करते हुए, सूरज ने कुल 9.683 पॉइंट्स बनाए। भारतीय वुशु विशेषज्ञ ने बिना किसी कटौती के क्वालिटी ऑफ मूवमेंट (ए-स्कोर) में परफेक्ट 5.00 और डिग्री ऑफ डिफिकल्टी (सी-स्कोर) में 2.00 पॉइंट्स हासिल किए। उन्हें ओवरऑल परफॉर्मेंस (बी-स्कोर) में 2.683 पॉइंट्स मिले। मकाऊ के कुओंग ची हिन 9.723 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रहे, जबकि उनके हमवतन ची कुआन सोंग 9.720 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहे। टॉप पर कम अंतर ने यह भी दिखाया कि फाइनल में मार्जिन कितना कम था। सूरज का स्कोर कांस्य पदक मार्क से सिर्फ 0.040 पॉइंट्स पीछे था चांगक्वान वुशु के सबसे डायनैमिक डिसिप्लिन में से एक है, जिसमें एथलीट्स को पारंपरिक उत्तरी चीनी कुंग फू मूवमेंट्स का तेज-तर्रार रूटीन करना होता है।

क्विम्सी डिसूजा टेकबॉल के कांस्य पदक मुकाबले में साकामोटो से हारीं

नागोया। भारत की क्विम्सी डिसूजा रविवार को एशियन गेम्स में महिलाओं के एकल टेकबॉल इवेंट में कांस्य पदक से चूक गईं। उन्हें जापान की युइना साकामोटो से करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। घरेलू पसंदीदा और दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हुए, क्विम्सी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह अपनी वापसी को जीत में नहीं बदल सकीं। साकामोटो ने निर्णायक मुकाबलों में अपना धैर्य बनाए रखा और सेट 12-11 से जीत लिया। क्विम्सी 3-6 और बाद में 7-9 से पीछे थीं, लेकिन फिर उन्होंने जबरदस्त वापसी की। वह 11-10 से आगे हो गईं, लेकिन साकामोटो ने स्कोर बराबर कर दिया और फिर आखिरी पॉइंट हासिल करके सेट जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट की जोरदार शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह एक निर्णायक सेट के लिए तैयार हैं। क्विम्सी ने 6-3 की बढ़त बनाई और बाद में 10-7 से आगे हो गईं, लेकिन सकामोटो का अनुभव एक बार फिर सामने आया। जापानी खिलाड़ी ने धीरे-धीरे कमी को कम किया, क्विम्सी पर दबाव बनाने के लिए कई तरह के स्मार्ट टच और शॉट का इस्तेमाल किया। आखिरकार वह 10-10 से बराबर हो गईं, और फिर आखिरी गेम में बढ़त बनाकर कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

लवलीना बोरगोहेन सहित 11 मुक्केबाज संभालेंगे भारतीय चुनौती

आईची नागोया। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और उभरती हुई खिलाड़ी साक्षी चौधरी, जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत की बॉक्सिंग चुनौती की अगुवाई करेंगी। भारत इन खेलों में 11 सदस्यों वाली बॉक्सिंग टीम उतारेगा। इस टीम में पांच महिलाएं और छह पुरुष शामिल होंगे। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाएं एक साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इसमें लवलीना बोरगोहेन, पूर्व एशियन चैंपियन परवीन हुड्डा के साथ-साथ कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट साक्षी चौधरी, नरेंद्र बेरवाल और जादुमणि सिंह भी शामिल हैं। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजी टीम महिलाः साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घघांस (60 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पुरुषः जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश पंघाल (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) लवलीना बोरगोहेन भारत की सबसे सफल बॉक्सरों में से एक के तौर पर आइची-नागोया में उतरेंगी।

पदवृद्धि की मांग पर शिक्षक अभ्यर्थियों का आंदोलन 31वें दिन भी जारी

राहुल गांधी के आने का अनशनकारियों ने किया दावा

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश में वर्ग-2 और वर्ग-3 शिक्षक भर्ती-2025 में पदवृद्धि और दूसरी काउंसलिंग की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन रविवार को 31वें दिन भी जारी रहा। लोक शिक्षण संचालनालय के सामने चल रहे आंदोलन के बीच अभ्यर्थियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जल्द आंदोलन स्थल पर पहुंचने का दावा किया है। हालांकि, राहुल गांधी की ओर से इसकी स्वतंत्र पुष्टि सामने नहीं आई है।

आंदोलन में निर्जल अनशन कर रहे ब्यावरा निवासी नरेंद्र राजपूत ने दावा किया कि राहुल गांधी से संपर्क हुआ है और उन्हें आंदोलन स्थल पर आने का संदेश मिला है। अभ्यर्थियों के अनुसार राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात की बात कही है। आंदोलनकारियों का कहना है कि उनकी मुख्य मांग भर्ती में अतिरिक्त पद जोड़कर दूसरी काउंसलिंग कराने की है। उनका तर्क है कि परीक्षा में सफल और बेहतर रैंक वाले कई अभ्यर्थी सीमित पदों के कारण चयन से बाहर रह गए हैं।

10 हजार और 25 हजार पद बढ़ाने की मांग : अभ्यर्थी वर्ग-2 में कम से कम 10 हजार और वर्ग-3 में 25 हजार अतिरिक्त पद बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि पद बढ़ने से दूसरी काउंसलिंग के जरिए उन अभ्यर्थियों को भी अवसर मिल सकता है, जो निर्धारित कटऑफ और उपलब्ध पदों की सीमा के कारण नियुक्ति से वंचित रह गए हैं। 19 सितंबर की रिपोर्ट में भी आंदोलन के 30वें दिन यही मांग प्रमुख रूप से सामने आई थी।

10 दिन से निर्जल अनशन का दावा : नरेंद्र राजपूत के निर्जल अनशन को लेकर भी आंदोलनकारियों ने चिंता जताई है। उनका दावा है कि लगातार अनशन के कारण उनकी तबीयत बिगड़ रही है। राजपूत का कहना है कि सरकार को पुराने आदेश और भर्ती प्रक्रिया का आधार स्पष्ट करना चाहिए। उनका सवाल है कि यदि भर्ती परिणाम जारी होने के बाद पदवृद्धि और दूसरी काउंसलिंग संभव नहीं है तो पिछली भर्ती प्रक्रिया में अतिरिक्त पद बढ़ाकर काउंसलिंग क्यों कराई गई थी।

2022 की भर्ती प्रक्रिया का दिया उदाहरण : आंदोलन में शामिल अभ्यर्थी वर्ष 2022 की प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया का उदाहरण दे रहे हैं। उनका कहना है कि उस समय अतिरिक्त पदों के आधार पर काउंसलिंग का अवसर दिया गया था। लोक शिक्षण संचालनालय के उपलब्ध दस्तावेजों में 26 नवंबर 2022 को प्राथमिक शिक्षक भर्ती से संबंधित जिलावार रिक्तियों की जानकारी जारी होने की पुष्टि होती है।

भिंड के एक वर्ग-3 अभ्यर्थी का दावा है कि उनके परिचित का पहली काउंसलिंग में चयन नहीं हुआ था, लेकिन बाद की काउंसलिंग में चयन होने के बाद उन्हें विदिशा में नियुक्ति मिली। अभ्यर्थियों का कहना है कि इसी तरह की प्रक्रिया इस बार भी अपनाई जा सकती है।

आयुक्त से मुलाकात के बाद भी जारी रहा आंदोलन

अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल ने लोक शिक्षण संचालनालय के आयुक्त से मुलाकात कर अपनी मांग रखी थी। आंदोलनकारियों के मुताबिक उन्हें मांग पर विचार करने का आश्वासन मिला, लेकिन इसके बाद कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया। इसके बाद उन्होंने लोक शिक्षण संचालनालय के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया। इससे पहले भी अभ्यर्थी नीलम पार्क में धरना दे चुके हैं और मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे सरकार से पदवृद्धि, दूसरी काउंसलिंग और इस संबंध में स्पष्ट निर्णय चाहते हैं। वहीं, वर्तमान भर्ती प्रक्रिया में पद बढ़ाने की मांग पर विभागीय स्तर से अंतिम निर्णय की स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है।

चलती बाइक पर युवक की गोली मारकर हत्या

निशातपुरा पुलिस चौकी के सामने हुई वारदात

भोपाल, देशबन्धु। निशातपुरा क्षेत्र में रविवार सुबह चलती बाइक पर 21 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात निशातपुरा पुलिस चौकी के सामने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में हुई। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने बीच में बैठे अपने दोस्त के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी इखलास उर्फ ताशी के रूप में हुई है। वह पेंटिंग का काम करता था। घटनास्थल से 32 बोर का एक खाली खोखा मिला है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी अलीम उर्फ अल्लू की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक ताशी रविवार सुबह अलीम और एक अन्य दोस्त के साथ बाइक से मछली पकड़ने जा रहा था।

तीसरा युवक बाइक चला रहा था, जबकि ताशी बीच में और अलीम पीछे बैठा था। इसी दौरान अलीम ने पिस्टल निकालकर ताशी पर गोली चला दी। इसके बाद उसने बाइक चला रहे युवक को भी धमकाया और उसे अपने साथ सिंधी कॉलोनी तक ले गया। वहां पहुंचकर आरोपी फरार हो गया। बाद में युवक वापस घटनास्थल पर पहुंचा और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि करीब 15 दिन पहले एक महिला से बातचीत को लेकर दोनों दोस्तों में विवाद हुआ था। मारपीट में ताशी का हाथ भी फ्रैक्चर हुआ था। बाद में दोनों के बीच समझौता हो गया था। पुलिस को आशंका है कि इसी पुरानी रंजिश के चलते हत्या की गई।

ग्राहक का इंतजार कर रहा युवक एमडी के साथ गिरफ्तार

भोपाल, देशबन्धु। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत टीटी नगर थाना पुलिस ने नशीले पदार्थ एमडी के साथ 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 4.70 ग्राम एमडी, जिसकी कीमत करीब 30 हजार रुपए बताई गई है, और 200 रुपए नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी राजस्थान से एमडी लाकर भोपाल में बेचता था। पुलिस को 18 सितंबर को सूचना मिली थी कि टीटी नगर स्टेडियम के पास राम मंदिर के नजदीक एक युवक एमडी बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम नीरज विश्नोई (24), निवासी देवधर कॉलोनी, कटारा हिल्स, भोपाल बताया। वह मूल रूप से जालौर, राजस्थान का रहने वाला है। तलाशी में उसके पास पारदर्शी पॉलीथिन में 4 ग्राम 70 मिलीग्राम एमडी मिली। पुलिस ने नशीला पदार्थ और नकदी जब्त कर आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब उसके कथित आपूर्तिकर्ता की तलाश कर रही है।

आश्वासनों के बीच नौकरी की अनिश्चितता, गीतों में छलका अतिथि विद्वानों का दर्द

हम अतिथि विद्वान हैं, बस कुछ दिन के मेहमान हैं

5वें दिन नीलम पार्क में गूंजा गीत, आयुक्त सिपाहा ने की मुलाकात

भोपाल, देशबन्धु। नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे अतिथि विद्वानों का धरना रविवार को 5वें दिन भी नीलम पार्क में जारी रहा। इस बार विरोध का अंदाज भी अलग नजर आया। अतिथि विद्वानों ने गिटार की धुन पर गीत गाकर अपनी पीड़ा और नौकरी की अनिश्चितता बयां की। ''हम अतिथि विद्वान हैं, बस कुछ दिन के मेहमान हैं... लाखों डॉक्टर, अभियंता हमने बनाए, आज हम ही बदहाल हैं'' जैसे बोलों के जरिए उन्होंने सरकार से किए गए आश्वासनों की याद दिलाई।

धरना स्थल पर रविवार दोपहर उच्च शिक्षा आयुक्त प्रबल सिपाहा भी पहुंचे और आंदोलनरत अतिथि विद्वानों से चर्चा की। विद्वान फॉलन आउट प्रक्रिया तत्काल रोकने और नियमितीकरण व स्थायित्व के लिए समयबद्ध नीति बनाने की मांग पर कायम हैं। इसकी पुष्टि समकालीन रिपोर्टों में भी हुई है।

क्यों नाराज हैं अतिथि विद्वान

अतिथि विद्वानों की प्रमुख मांग है कि नियमितीकरण और नौकरी में स्थायित्व के लिए नीति बनाने की निश्चित समय-सीमा तय की जाए। साथ ही नीति लागू होने तक फॉलन आउट प्रक्रिया रोकी जाए। इस प्रक्रिया में सरकारी महाविद्यालय में नियमित प्राध्यापक की नियुक्ति या स्थानांतरण होने पर वहां कार्यरत अतिथि विद्वान की सेवा समाप्त हो जाती है। लंबे समय से सेवा दे रहे अतिथि विद्वान इसी व्यवस्था को लेकर अपनी नौकरी की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं।

अतिथि विद्वानों का कहना है कि सरकार से लगातार आश्वासन मिलने के बावजूद उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। अब उन्होंने धरना जारी रखते हुए स्पष्ट नीति और सेवा सुरक्षा पर निर्णय की मांग तेज कर दी है।

मंत्री के बंगले से नीलम पार्क पहुंचे

आंदोलनकारी पहले उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित आवास के बाहर धरने पर बैठे थे। प्रतिनिधिमंडल की मंत्री से चर्चा हुई, लेकिन फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने पर सहमति नहीं बनने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाकर नीलम पार्क भेज दिया। इसके बाद से उनका धरना जारी है।

पुराने आश्वासनों का हवाला

अतिथि विद्वान 11 सितंबर 2023 की महापंचायत में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आश्वासन का हवाला दे रहे हैं। इसके अलावा वे 10 जुलाई 2026 को रवींद्र भवन में हुए सम्मेलन और 28 अगस्त को उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हुई मुलाकात का भी उल्लेख कर रहे हैं। उनका कहना है कि नियमितीकरण और स्थायित्व की नीति बनने तक फॉलन आउट रोकने का भरोसा दिया गया था।

ओवैसी की सभा के बाद टी. राजा सिंह की सभा की तैयारी

टेंट-साउंड बुक, पुलिस-प्रशासन के फैसले का इंतजार

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल में 15 सितंबर को असदुद्दीन ओवैसी की सभा के बाद अब तेलंगाना के विधायक टी. राजा सिंह की प्रस्तावित सभा को लेकर हलचल बढ़ गई है। हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच ने 5 अक्टूबर को टी. राजा सिंह की सभा के लिए पुलिस आयुक्त से अनुमति मांगी है। समिति ने सभा के लिए सेंट्रल लाइब्रेरी मैदान, इमामी गेट-अग्रसेन चौराहा और इकबाल मैदान-मोती मस्जिद में से किसी एक स्थान का विकल्प प्रशासन के सामने रखा है। समिति अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के अनुसार अनुमति के लिए आवेदन दिए करीब 5 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी तक कार्यक्रम स्थल को लेकर प्रशासन की ओर से जानकारी नहीं मिली है। समिति ने जल्द किसी एक स्थान की अनुमति देने का अनुरोध किया है। हालांकि सभा की अनुमति या स्थल तय होने की प्रशासनिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। समिति का कहना है कि कार्यक्रम को लेकर उसकी ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। टेंट और ध्वनि व्यवस्था बुक की जा चुकी है तथा पोस्टर और प्रचार सामग्री के डिजाइन भी तैयार हैं। स्थल तय होने के बाद बाकी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने की बात कही गई है। समिति ने टी. राजा सिंह के 5 अक्टूबर को भोपाल आने की बात कही है और समर्थकों से कार्यक्रम की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की है। समिति का कहना है कि जिस स्थान पर ओवैसी की सभा की अनुमति दी गई, उसी तरह टी. राजा सिंह की सभा के लिए भी अनुमति दी जानी चाहिए।

राजसम्राट कॉलोनी में गणेश उत्सव की धूम, महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

भोपाल, देशबन्धु। अयोध्या बायपास स्थित राजसम्राट कॉलोनी फेस-1 में गणेश उत्सव को लेकर धार्मिक उत्साह का माहौल है। राजसम्राट उत्सव समिति द्वारा आयोजित उत्सव के तहत रविवार को भव्य महाआरती हुई। इसमें कॉलोनी के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर भगवान गणेश की आराधना की और सुख-समृद्धि की कामना की। उत्सव स्थल पर प्रतिदिन धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें बच्चों के साथ महिलाएं और पुरुष भी उत्साह से भाग ले रहे हैं। कार्यक्रमों के दौरान कॉलोनी में सामूहिक सहभागिता और उत्सव का माहौल बना हुआ है। राजसम्राट उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष गणेश उत्सव के साथ दुर्गा उत्सव, होली सहित विभिन्न धार्मिक और सामाजिक आयोजन किए जाते हैं। समिति के पदाधिकारियों के अनुसार इन आयोजनों का उद्देश्य कॉलोनीवासियों को एक साथ जोड़ना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है।

महाआरती में समिति संरक्षक उमेश सिंह राजपूत, अध्यक्ष माचल सिंह लोधी, उपाध्यक्ष राजेंद्र नायर, सचिव विनोद कुमार तिवारी, सहसचिव केशव राव शाद, कोषाध्यक्ष दिनेश के.एन., सह-कोषाध्यक्ष बाला प्रसाद लोधी, प्रचार-प्रसार प्रभारी मधुकर पवार और राजकुमार बरुआ सहित कार्यकारिणी सदस्य एवं कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

आरटीई प्रतिपूर्ति में देरी से निजी स्कूलों की मुश्किलें बढ़ीं

भोपाल, देशबन्धु। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत निजी अशासकीय विद्यालयों को मिलने वाली फीस प्रतिपूर्ति राशि 2 वर्षों से लंबित होने का दावा किया गया है। सीहोर के पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय पटेल ने राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल को पत्र भेजकर वर्ष 2024-25 और 2025-26 की लंबित राशि की विद्यालयवार समीक्षा कर पात्र विद्यालयों को तत्काल भुगतान कराने की मांग की है। पटेल का दावा है कि प्रदेश के अनेक निजी विद्यालयों को दोनों वर्षों की प्रतिपूर्ति राशि अब तक नहीं मिली है। उनका कहना है कि विद्यालयों को शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन, भवन, बिजली तथा शिक्षण सामग्री सहित नियमित खर्च स्वयं वहन करना पड़ रहा है। ऐसे में प्रतिपूर्ति राशि में देरी से आर्थिक दबाव बढ़ रहा है।

दोनों सत्रों की राशि की विद्यालयवार समीक्षा कर तत्काल भुगतान की मांग

उन्होंने पत्र में विभागीय बजट प्रावधान का हवाला देते हुए वर्ष 2024-25 में करीब 500 करोड़ और 2025-26 में करीब 520 करोड़ रुपए के प्रावधान का उल्लेख किया है। उनका सवाल है कि बजट प्रावधान के बावजूद पात्र विद्यालयों को देय राशि का भुगतान क्यों नहीं हुआ।

संविधान के अनुच्छेद 21-क और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(ग) के तहत निर्धारित निजी विद्यालयों में कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों के लिए प्रवेश स्तर पर कम से कम 25 प्रतिशत सीटों पर निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान है। धारा 12(2) में इसके लिए निर्धारित शर्तों के अनुसार प्रतिपूर्ति का प्रावधान है। पटेल ने मांग की है कि लंबित भुगतान के कारणों की विद्यालयवार समीक्षा कर सत्यापन, दस्तावेज या तकनीकी समस्या होने पर उसका निराकरण कराया जाए। पात्र विद्यालयों की राशि तत्काल जारी की जाए।

लंबित मांगों को लेकर नए साल में आंदोलन की तैयारी

भोपाल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर नए साल में प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। संघ की प्रदेश महासमिति की बैठक में 2 जनवरी 2027 को भोपाल में प्रदेशभर के कर्मचारियों का बड़ा धरना आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कर्मचारी भवन में हुई बैठक में विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने आंदोलन की तैयारियों और मांगों पर चर्चा की।

संघ की प्रमुख मांगों में अनुकंपा नियुक्ति और पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करना शामिल है। इसके साथ ही 70, 80 और 90 प्रतिशत वेतन देने की व्यवस्था समाप्त कर वर्ष 2019 से 100 प्रतिशत वेतन देने की मांग की गई है। संघ जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत अतिरिक्त महंगाई भत्ता और महंगाई राहत देने की भी मांग कर रहा है।

लिफ्ट में फंसे व्यक्ति को निकाला, होटल की 3 लिफ्ट सील

भोपाल, देशबन्धु। अरेरा हिल्स स्थित होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट की लिफ्ट में रविवार को एक व्यक्ति फंस गया। सूचना मिलते ही नगर निगम के अग्निशमन, विद्युत और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद निगम अमले ने होटल की लिफ्टों के रखरखाव, अग्नि सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा लाइसेंस से संबंधित दस्तावेजों की जांच की। जांच में लिफ्टों में स्वचालित बचाव उपकरण (एआरडी) नहीं पाए गए। निर्धारित समय पर मासिक रखरखाव भी नहीं कराया गया था। अग्नि सुरक्षा उपकरणों और निकास द्वारों की व्यवस्था भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिली। इसके बाद निगम ने होटल की 3 लिफ्टों को अस्थायी रूप से सील कर दिया। निगम के अनुसार होटल को पूर्व में भी सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नोटिस दिए गए थे।

गहोई समाज ने श्रद्धा से मनाई राधाष्टमी

भोपाल, देशबन्धु। श्रीगहोई वैश्य समाज ने शनिवार को फतेहगढ़ स्थित श्री राधा-कृष्ण कंठाली मंदिर में राधाजी का प्राकट्योत्सव राधाष्टमी श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे राधे-राधे संकीर्तन और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्री राधाकृष्ण की प्रतिमाओं के अभिषेक से हुई। इसके बाद आकर्षक श्रृंगार किया गया। दोपहर 12 बजे राधारानी की महाआरती हुई। महिला मंडल की सदस्यों ने बधाई गीत प्रस्तुत किए। समाज के बच्चों ने राधाजी के स्वरूप में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले बच्चों को समाज पंचायत की ओर से पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष तनुज कुदरिया, पूर्व अध्यक्ष भगवानदास बिलैया, दिनेश नोगरैया, कुबेरचंद्र रेजा, प्रकाश कुचिया, रमेशचंद्र लोहिया, जीवनदास सिजारिया सहित पंचायत के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। मध्य मालवा महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता सिरोल्या, मंत्री अर्चना पिपरसानिया सहित महिला मंडल की सदस्य भी उपस्थित रहीं।

विसर्जन घाटों पर व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती

22 से 26 तक चलेगा विसर्जन का दौर

भोपाल, देशबन्धु। गणेश उत्सव के बाद भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के ससम्मान एकत्रीकरण और विसर्जन को लेकर नगर पालिक निगम ने व्यापक व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम प्रशासन ने 22 से 26 सितंबर तक विसर्जन समाप्त होने तक सभी प्रमुख विसर्जन घाटों और कुंडों पर व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

प्रेमपुरा, रानी कमलापति, हथाईखेड़ा, संत हिरदाराम नगर बैरागढ़, मालीखेड़ी, शाहपुरा और खटलापुरा विसर्जन घाटों के लिए अपर आयुक्तों और उपायुक्त को नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रत्येक घाट पर 2 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभारी तथा 3 अधिकारियों को सहायक प्रभारी के रूप में तैनात किया गया है। ये अधिकारी अपने क्षेत्र में अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर प्रतिमाओं के विसर्जन से जुड़ी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे।

प्रेमपुरा घाट की जिम्मेदारी अपर आयुक्त अक्षय कुमार तेम्रवाल, रानी कमलापति घाट की अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा, हथाईखेड़ा की अपर आयुक्त वरुण अवस्थी, संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ की अपर आयुक्त अमन मिश्रा, मालीखेड़ी की अपर आयुक्त अभिषेक सिंह, शाहपुरा की अपर आयुक्त वरुण बड़ेरिया तथा खटलापुरा की उपायुक्त भुवन गुप्ता को सौंपी गई है।

विधानसभावार निगरानी और पुलिस नियंत्रण कक्ष से समन्वय : सभी विसर्जन घाटों की विधानसभावार निगरानी का दायित्व संबंधित कार्यपालन यंत्रियों को दिया गया है। विसर्जन अवधि में निगम के अधिकारी पुलिस नियंत्रण कक्ष में अलग-अलग पालियों में तैनात रहेंगे। यहां मिलने वाली सूचनाओं में नगर निगम से संबंधित शिकायत या आवश्यकता सामने आने पर अधिकारी संबंधित घाट के नोडल और प्रभारी अधिकारियों से समन्वय कर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

22 सितंबर को डोल ग्यारस के अवसर पर भी जोन स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित जोनल अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी तथा विद्युत, यांत्रिक और जलकार्य विभाग के सहायक यंत्री अपने-अपने विभाग से संबंधित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे और संबंधित अपर आयुक्त को इसकी जानकारी देंगे।

घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों पर भी रहेगी नजर : निगम प्रशासन ने विसर्जन घाटों तक पहुंचने वाले मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में अस्थायी बाधाओं को हटाने के निर्देश दिए हैं। चाय, नारियल पानी, फल के ठेले और अस्थायी दुकानों को आवश्यकतानुसार हटाया जाएगा। घाटों पर वाहन, क्रेन और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था भी की जाएगी।

सुरक्षा के लिहाज से अग्निशमन वाहन, प्रशिक्षित दल, जीवन रक्षक उपकरण, तैराक और गोताखोरों की तैनाती की जाएगी। घाटों पर पेयजल, साफ-सफाई, चलित शौचालय और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। मार्गों पर पेड़ों की छंटाई, स्ट्रीट लाइटों को चालू रखने तथा बिजली के तारों के रखरखाव और व्यवस्थित करने का काम भी संबंधित विभाग करेंगे।

सीसीटीवी और बैरिकेडिंग से निगरानी

विसर्जन स्थलों पर बैरिकेडिंग, निगरानी कैमरे और उनकी निगरानी के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाएगी। घाटों पर बाहरी व्यक्तियों के अनधिकृत प्रवेश को रोकने, झीलों की साफ-सफाई बनाए रखने और भीड़ को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मार्गों और विसर्जन स्थलों से अनावश्यक बैनर-पोस्टर हटाने तथा आवारा मवेशियों को हटाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

निगम प्रशासन ने सभी विसर्जन घाटों पर नियंत्रण कक्ष के लिए टेंट, ध्वनि प्रसारण यंत्र और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मार्गों के बीच और किनारों पर स्थित हिस्सों की साफ-सफाई तथा सौंदर्यीकरण का काम भी संबंधित विभागों को सौंपा गया है।

समस्या की सूचना तत्काल देने के निर्देश

निगम प्रशासन ने विसर्जन के दौरान किसी भी समस्या, बाधा या घटना की जानकारी तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और अग्निशमन नियंत्रण कक्ष को देने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए 0755-2542222 और 0755-2540220 दूरभाष नंबर जारी किए गए हैं। अधिकारियों को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

भोपाल, सोमवार, 21 सितम्बर 2026
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नए रंगों में छात्रों की गूंज

इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम की जबरदस्त सफलता ने भाजपा के समूचे तंत्र को हिला कर रख दिया है। राहुल गांधी युवाओं को उम्मीद बंधाने वाले अपने इस कार्यक्रम में हर बार एक नया रंग जोड़ रहे हैं। इंदौर में राहुल गांधी ने दुख, करुणा, हास्य-व्यंग्य, क्रोध तमाम भावनाओं का समावेश अपने संबोधन में किया। कोटा में जब राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज का पहला कार्यक्रम किया था तो राजनीति पर बात करने से इंकार कर दिया था। फिर देहरादून में उस वक्त यह कार्यक्रम हुआ, जब जंतर-मंतर पर भी आंदोलन चल रहा था। अपने मंच पर राहुल ने नीट पेपर लीक की शिकार छात्रा के पिता को बुलाया, उनका दुख साझा किया। प्रयागराज में राहुल गांधी ने देश की युवा शक्ति का जिक्र किया, और कहा कि अमेरिका, चीन और रूस कोई भी भारत के युवाओं की संभावना का मुकाबला नहीं कर सकता। पुणे में राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज को पूरी तरह लड़कियों की आवाज उठाने का मंच बनाया। और अब इंदौर में राहुल गांधी ने छात्रों के भविष्य की बात करने के साथ उस व्यवस्था पर प्रहार किया, जो युवाओं की राह में रोड़ा बन चुकी है। पुणे में राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर प्रहार किया था और उदाहरण दिए थे कि मोहन भागवत, नरेन्द्र मोदी समेत कई भाजपा नेताओं की सोच कितनी संकुचित है। वहीं इंदौर में राहुल गांधी ने भाजपा और संघ की बनाई व्यवस्था पर प्रहार करने के लिए नरेन्द्र मोदी, मोहन भागवत, अमित शाह, अजित डोभाल, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, जैसों का चेहरा पहली पंक्ति में लगाकर नीचे की पंक्ति में योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, ज्ञानेश कुमार, रामदेव, कंगना रानौत, पत्रकारों में अर्णव गोस्वामी, रजत शर्मा जैसे चेहरों को भी उजागर किया कि किस तरह इन तमाम लोगों ने मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जो छात्रों के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने बता दिया कि छात्र यानी स्टूडेंट और अंधभक्तों के बीच का फर्क समझाया और बताया कि कैसे भाजपा का बनाया सिस्टम अंधभक्तों को बढ़ा रहा है। 2014 से ही देश देख रहा है कि नरेन्द्र मोदी को सत्ता पर बिठाने के लिए भाजपा और संघ को अंधभक्तों की जरूरत थी, ताकि जब संविधान को तार-तार करने के लिए न्यायपालिका, चुनाव आयोग, संसद समेत सारे मंचों का दुरुपयोग किया जाए तो कोई सवाल न करे। पिछले बारह सालों से यही देश में हो भी रहा है। मोदी ने सत्ता में आने से पहले हर साल दो करोड़ रोजगार का वादा किया था, मगर बेरोजगारी 45 सालों में सबसे उच्च स्तर पर जा पहुंची, तो अंधभक्तों ने सवाल नहीं किया। जिन छात्रों ने सवाल किया, उनके साथ भाजपा ने क्या किया, ये उमर खालिद जैसे उदाहरणों से समझा जा सकता है। मोदी ने सत्ता में आने के दो साल बाद ही नोटबंदी कर दी और नकदी रहित अर्थव्यवस्था के नाम पर यूपीआई को बढ़ावा दिया, अब अमेरिका के दबाव में यूपीआई पर भी शुल्क लगाने का फैसला लिया, जिसके बाद छोटे-बड़े सारे दुकानदार अब यूपीआई से भुगतान लेने से इंकार कर रहे हैं। अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि नोटबंदी से आखिर देश को क्या मिला। मोदी ने लोगों से कहा कि तेल का इस्तेमाल कम करो, लेकिन अपने जन्मदिन पर करोड़ों रुपयों का तेल दिए जलवाने में फुंकवा दिया, अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि मोदीजी आपकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है।

अपने मंच से राहुल गांधी ने शनिवार को यही सच पूरे देश को फिर से दिखाया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने हाल ही में दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला इमारत के गिरने और उसमें निर्दोष छात्रों की मौत पर भी सरकार को घेरा। इस घटना के बाद छात्रों में भाजपा के लिए पहले ही काफी नाराजगी है, क्योंकि उनके लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं है, इसलिए बच्चों को दड़बेनुमा कमरों में भारी किराए के साथ रहना पड़ता है। और बदले में जान जोखिम में डालनी पड़ती है। राहुल ने इस घटना में मृत एक युवा के परिजनों के साथ मंच पर उनका दुख साझा किया। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि उस समय वहां मौजूद कई युवाओं की आंखें नम हो गई थीं। ऐसी संवेदनशीलता ही नागरिकों के बीच एकता बनाए रखती है। संवेदनहीन राजनीति करने वाली भाजपा बार-बार इस एकता को कुचलना चाहती है। लेकिन राहुल गांधी उसकी इस कोशिश के सामने बड़ी चट्टान की तरह खड़े हुए हैं, यह भाजपा के लिए काफी तकलीफदेह है।

राहुल गांधी ने भाजपा की तकलीफ बढ़ाने वाला एक और काम इंदौर में किया। हास्य कलाकार पुलकित मणि राहुल गांधी के मंच पर आए और उन्होंने जबरन गले मिलने, हीही-खीखी करने, फ्रैंड्स कहने जैसे कुछ अभिनय किए, जिस पर अब भाजपा तिलमिलाई हुई है। उनके हास्य अभिनय में कहीं नरेन्द्र मोदी या उनकी स्वर्गीया मां का नाम नहीं लिया गया, मगर भाजपा के सारे मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, भाजपा खेमे के पत्रकार और अब तक खुद को निष्पक्ष बताने वाले पत्रकार भी राहुल गांधी की नीयत और नैतिकता पर सवाल उठाने लगे। संभवत: हरिशंकर परसाई ने कहा था कि तानाशाह मसखरों से डरता है, क्योंकि वे उसकी भव्यता के गुब्बारे में सुई चुभो देते हैं। यही बात अब सच साबित होते दिखी। नेहरूजी से लेकर डा.मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्रियों को व्यंग्यकारों ने अपने निशाने पर लिया है। लेकिन इसमें व्यंग्यकारों या कलाकारों की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठे, न इनसे देश की प्रतिष्ठा धूमिल हुई। अभिव्यक्ति की आजादी चयनित तरीके से नहीं दी जा सकती। मगर मोदी सरकार का सिस्टम सबको डरा-धमका कर रखना चाहता है।

मगर ये डर अब खत्म हो चुका है, ये इंदौर में नजर आया। राहुल के साथ मंच साझा करने वाले लोगों ने एक बार फिर बेझिझक, बेखौफ होकर बातें कीं। राहुल गांधी के समर्थक और प्रशंसक तो उनके इस अंदाज के मुरीद हैं ही कि वे कितनी सहजता से आम लोगों में घुल मिल जाते हैं। जबकि वे पांच बार से सांसद निर्वाचित हो रहे हैं, इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं और उनके परिवार से तीन व्यक्ति देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। राहुल के विरोधी भी उनकी इस सहजता की काट नहीं ढूंढ पाते हैं, इसलिए उनकी छवि खराब करने की कोशिशें की जाती हैं। 2004 से जब से राहुल गांधी सक्रिय राजनीति में उतरे हैं, उन्हें शहजादा, वंशवाद का प्रतीक, पप्पू, पार्टटाइम राजनेता और न जाने कितने अपमानजनक शब्दों की चोट पहुंचाई गई। मगर अब जनता ही देख रही है कि राहुल गांधी का सच क्या है।

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है।

राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा।

राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं।

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए।

लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था।

दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था।

लेकिन अगर बल्लेबाज ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव

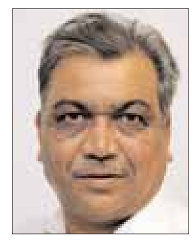

शकील अख्तर

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

पर स्वाभाविक असर पड़ना था।

उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार्च में लाठी, आंसू गैस, पैलेट गन चलने से पूरा माहौल भाजपा विरोधी बना हुआ था। छात्र राजनीति के लिए इससे अनुकूल माहौल कुछ नहीं हो सकता। मगर एक नेता द्वारा अपने बेटे को टिकट दिलाकर एनएसयूआई का पूरा पैनल लंगड़ा कर दिया गया। जिस उपाध्यक्ष सीट पर उस नेता के बेटे वीर चतरथ को लड़ाया वहां एनएसयूआई को नोटा से भी कम वोट मिले। इस पोस्ट पर नोटा को 4359 और एनएसयूआई को 4313 वोट मिले।

शर्मनाक! और यह नेता कौन है जिसने अपने बेटे को टिकट दिलाया? एक भारी अहंकारी वह व्यक्ति जिसे कांग्रेस के नए मुख्यालय इन्दिरा भवन का पूरा चार्ज दे रखा है। जहां वह किसी भी नेता, कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय से गए किसी अधिकारी को घुसने से रोक सकता है। अपमान कर सकता है।

यह हमने लिखा नेता और अधिकारी के लिए। कार्यकर्ता और कर्मचारी की तो बात ही नहीं है। उन्होंने तो इन्दिरा भवन जाना ही छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेता, सदस्य और दिल्ली यूनिवर्सिटी के दूसरे तमाम छात्र कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय आते रहते हैं। पॉलिटिकल पार्टी का दफ्तर जैसा होना चाहिए खुला वह वैसा ही है। दिल्ली के छात्र क्या देश भर से लोग वहां आते हैं। बैठते हैं। कैंटिन में सही दाम में चाय पीते हैं। ऐसे ही सही कीमत में खाना खा लेते हैं। आगे बताते हैं यहां के उचित दाम आपको।

पहले जरा इन्दिरा भवन की बात। लेकिन उससे भी पहले पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग की बात। पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के बनने के औचित्य पर हम शुरू से सवाल उठाते रहे हैं। उसकी कमियों पर बहुत लिखा। अखबार में भी और ट्वीटर पर भी। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से हमने लिखना बंद कर दिया।

कांग्रेस के लोगों को मोदी की बनाई नई संसद की कमियां पढ़ने में बहुत मजा आता था। एक दिन एक बड़े नेता ने पूछा कि अब आप नई बिल्डिंग पर क्यों नहीं लिखते हैं? हमने कहा क्योंकि हमने उससे खराब स्थिति एक और नई बिल्डिंग की देख ली। उन्होंने कहा कौन सी? हमने कहा आप का नया मुख्यालय। इन्दिरा भवन। चुप हो गए। जैसे सत्ता पक्ष का भी कोई सांसद, या मंत्री भी नए संसद भवन की तारीफ नहीं कर सकता है। वैसे ही कांग्रेस का कोई नेता इन्दिरा भवन की व्यवस्थाओं का बचाव नहीं कर पाता है।

अब हमने ऊपर कैंटिन और रेट की बात कही थी वह बताते हैं। इन्दिरा भवन की कैंटिन के रेट इतने ऊंचे रखे हैं कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी चाय पीना हो तो बाहर जाना पड़ता है। यह बताने की तो शायद जरूरत नहीं है कि कार्यस्थलों पर कैंटिन इसलिए खोली जाती है और सब्सिडाइज रेट पर चाय खाना स्नेक्स रखे जाते हैं कि वर्कर को कहीं बाहर खाने चाय पीने नहीं जाना पड़े।

अब रेट देख लीजिए। चाय 25 रुपए की। जीएसटी मिलाकर 28 की पड़ती है। अब सोचिए एक कर्मचारी या कभी गलती से चला गया कोई कार्यकर्ता या छात्र कैसे पी सकता है। अब जरा तुलनात्मक रूप से और बता दें तो आपके और समझ में आ जाएगा। यही चाय कांग्रेस के 24 अकबर रोड मुख्यालय में 10 रुपए की मिलती है। और जिक्र संसद की नई बिल्डिंग का भी किया है तो वहां का भी बता दें वहां 5 रुपए की है।

बहुत सारे आइटम हैं। ज्यादा नहीं बता रहे। चाय के बाद खाना ही इम्पार्टेन्ट है तो 24 अकबर रोड में 45 रुपए में मिनी लंच और संसद में 50 रुपए में। यहां फाइव स्टार होटलों की तरह हाफ प्लेट या मिनी का काम ही नहीं। थाली है 200 रुपए की। और जीएसटी अलग। एक आइटम और बता दें। 24 अकबर रोड में सागर रत्ना का कैंटिन है जिसका डोसा दुनिया भर में मशहूर है। केवल 45 रुपए का। पार्लियामेंट में अशोका की कैंटिन है वहां 30रुपए का। और इन्दिरा भवन में पता नहीं किसे ठेका दे रखा है 170 प्लस जीएसटी।

और लास्ट बात यह और बता दें कि पत्रकार कैंटिन में नहीं जा सकता। अगर कोई गलती से ले गया तो वहां से उठाने के लिए उसका एडमिनिस्ट्रेटर आ जाता है। एडमिनिस्ट्रेटर मतलब वही जिसने अपने बेटे को लड़वा कर पूरे एनएसयूआई पैनल को हरवाया। राहुल के इन्दौर गूंज कार्यक्रम का मजा खराब किया। लब्बोलुवाब यह है कि राहुल अकेले पूरी लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेसी उनकी टांग खींचने में लगे हैं। ये कांग्रेसी वह हैं जो दलाली और चमचागिरी में सिद्धहस्त हैं। इन्हें सिर्फ अपने से अपने परिवार से अपने स्वार्थों से मतलब है। राहुल से और कांग्रेस से इन्हें सिर्फ फायदा उठाना है। अब राहुल इनसे कैसे मुक्त हो पाते हैं यह एक बड़ा सवाल है। क्योंकि यह लोग उनके पास कोई इन्फारमेशन ही नहीं पहुंचने देते। जिस इन्दिरा भवन के लिए कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं, सिम्पेथाइजरों ने जो भी जिससे बना सहयोग किया है वहां उनके साथ क्या होता है यह भी राहुल तक शायद ही पहुंच पाता हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय'

■ कुमार सिद्धार्थ

हर वर्ष 21 सितंबर को दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' मनाती है। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (यूएन) ने 1981 में इसकी शुरुआत इस उद्देश्य से की थी कि विश्व समुदाय युद्ध और हिंसा से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को मजबूत करे। वर्ष 2001 में 'यूएन' ने सर्वसम्मति से इस दिन को 'वैश्विक संघर्ष-विराम' और 'अहिंसा दिवस' के रूप में भी मान्यता दी, लेकिन दुर्भाग्या से जिस दुनिया में शांति के नाम पर एक दिन समर्पित है, उसी दुनिया में वर्ष के शेष दिनों में युद्धों की तैयारी अधिक व्यवस्थित ढंग से होती दिखती है।

बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है। परमाणु हथियारों का जखीरा आज भी हजारों की संख्या में मौजूद है और वैश्विक सैन्य बजट लगातार बढ़ रहे हैं। तो क्या हथियारों की बढ़ती संख्या दुनिया को अधिक सुरक्षित बना रही है?

बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है।

गांधीवादी चिंतक और लेखक सतीश कुमार ने इसी प्रश्न को नए दृष्टिकोण से उठाया है। अपने एक लेख में उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार लगभग हर देश में रक्षा मंत्रालय हैं, उसी प्रकार प्रत्येक देश में 'शांति मंत्रालय' भी होना चाहिए। ऐसा मंत्रालय समाज में संवाद, मध्यस्थता, शांति शिक्षा, अहिंसक प्रतिरोध, सामुदायिक मेल-मिलाप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। यदि सरकारें युद्ध की तैयारी के लिए विशाल संस्थागत ढांचे विकसित कर सकती हैं, तो शांति की तैयारी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

पहली दृष्टि में यह विचार आदर्शवादी लग सकता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दुनिया के लगभग सभी देशों के पास रक्षा मंत्रालय, सेनाएं, युद्ध रणनीतियां और हथियारों के आधुनिकीकरण की योजनाएं हैं, किंतु शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां संवाद, मेल-मिलाप, संघर्ष-निवारण और शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय हो। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य व्यय लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह लगातार दसवां वर्ष था, जब वैश्विक रक्षा व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रक्षा व्यय करने वाले देशों में शामिल हैं। इसके विपरीत 'यूएन' की अनेक मानवीय और शांति-स्थापना एजेंसियां संसाधनों की कमी से जूझती रहती हैं। यह विरोधाभास बताता है कि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं किस दिशा में झुकी हुई हैं।

युद्ध की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से अधिक राष्ट्र के आम नागरिक चुकाते हैं। 'संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त' (यूएनएचसीआर) के अनुसार दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़ने को विवश हैं। गाज़ा, यूक्रेन और सूडान जैसे क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और नागरिक बस्तियां नष्ट हुई हैं। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हुए हैं और असंख्य परिवार विस्थापन का जीवन जी रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं को नहीं, बल्कि समाजों के विश्वास, मानवीय गरिमा और भविष्य को भी समाप्त करते हैं। युद्ध का एक और गंभीर पक्ष पर्यावरणीय विनाश है। आधुनिक सेनाएं भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती हैं। बमबारी से जंगल, कृषि भूमि और जलस्रोत नष्ट होते हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ध्वस्त होने से विषैले रसायन वातावरण में फैलते हैं और 'ग्रीनहाउस गैसों' का उत्सर्जन बढ़ता है। सतीश कुमार का प्रस्ताव है कि रक्षा बजट का एक हिस्सा शांति निर्माण के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। शांति मंत्रालय का कार्य केवल युद्ध रोकना नहीं, बल्कि शांति शिक्षा, संवाद, मध्यस्थता, सामुदायिक मेल-मिलाप, अहिंसक प्रतिरोध, संघर्ष-निवारण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना होगा।

दरअसल, शांति को संस्थागत रूप देने का विचार नया नहीं है। महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा अंतत: प्रतिहिंसा को जन्म देती है। स्वतंत्रता आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां करोड़ों लोगों ने बिना हथियार एक साम्राज्य को चुनौती दी। गांधी का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह ऐसे समाज की परिकल्पना थी जहां संघर्षों का समाधान संवाद और नैतिक शक्ति से हो।

गांधी की इसी परंपरा को विनोबा भावे, दादा धर्माधिकारी, जयप्रकाश नारायण और नारायण देसाई जैसे अनेक विचारकों ने आगे बढ़ाया और समाज में संवाद, रचनात्मक कार्यक्रमों और अहिंसक संघर्षों को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति माना। इन सभी का विश्वास था कि स्थायी सुरक्षा हथियारों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और अहिंसक संस्कृति से आती है। इस दृष्टि से 'शांति मंत्रालय' का प्रस्ताव गांधीवादी चिंतन का समकालीन संस्थागत विस्तार प्रतीत होता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन और दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने भी मानवता को यही चेतावनी दी थी। 1955 के प्रसिद्ध 'रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र' में उन्होंने विश्व नेताओं से आग्रह किया था कि वे युद्ध की बजाय मानव अस्तित्व को प्राथमिकता दें। घोषणापत्र का सबसे प्रसिद्ध वाक्य आज भी प्रासंगिक है- 'अपनी मनुष्यता को याद रखिए और बाकी सब भूल जाइए।' यही विचार आगे चलकर परमाणु निरस्त्रीकरण और वैश्विक शांति आंदोलनों की प्रेरणा बना।

'यूएन' की स्थापना इसी विश्वास के साथ हुई थी कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाया जाए। 'यूएन चार्टर' की प्रस्तावना में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शांति स्थापना अभियानों, संघर्ष-निवारण, मध्यस्थता और 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' जैसी पहलों के माध्यम से 'यूएन' लगातार प्रयास करता रहा है। हालांकि महाशक्तियों के राजनीतिक हित और 'वीटो व्यवस्था' अक्सर इन प्रयासों को सीमित कर देते हैं।

भारत के लिए यह विमर्श विशेष महत्व का है। 'अहिंसा परमो धर्म:, ''वसुधैव कुटुम्बकम्' और गांधी का सत्याग्रह केवल आदर्श नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के वैकल्पिक मूल्य भी हैं। भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से समझौता किए बिना भी शांति शिक्षा, संघर्ष-समाधान, मानवीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के क्षेत्रों में नई पहल कर सकता है। यदि भारत 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश विश्व समुदाय को दे सकता है, तो शांति को सार्वजनिक नीति का विषय बनाने की बहस का नेतृत्व भी कर सकता है।

केवल एक नया मंत्रालय बना देने से युद्ध समाप्त नहीं होंगे। युद्धों के पीछे भू-राजनीतिक हित, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा और वैचारिक टकराव जैसे अनेक कारण होते हैं। फिर भी संस्थाएं समाज की प्राथमिकताओं का प्रतीक होती हैं। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग मंत्रालय बनने के बाद पर्यावरण नीति को नई पहचान मिली और आपदा प्रबंधन के लिए अलग संस्थागत व्यवस्था विकसित हुई, उसी प्रकार शांति के लिए समर्पित संस्थान भी यह संदेश देंगे कि राष्ट्र केवल युद्ध जीतने की नहीं, बल्कि शांति स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। यदि मानवता ने युद्ध के लिए मंत्रालय बनाए हैं, तो क्या अब समय नहीं आ गया कि वह शांति के लिए भी एक मंत्रालय बनाने का साहस दिखाए?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यों से संबद्ध हैं।

आपके पत्र

सुविधाएं गांव तक पहुंचनी चाहिए

गांव में रहने वाले लोगों के लिए किसी चीज की कीमत केवल उसकी दुकान पर लिखी रकम से तय नहीं होती। कई बार उसे खरीदने के लिए घर से शहर तक जाने और आने का किराया, लगने वाला समय, काम से छूटा एक दिन और रास्ते में होने वाली दूसरी परेशानियां भी जुड़ जाती हैं। यही वह अदृश्य कीमत है, जिसे गांव के कठिन जीवन को समझते समय अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

उदयपुर शहर से लगभग चार किमी दूर ब्राह्मणों का गुड़ा गांव इसका एक उदाहरण है। शहर के इतने करीब होने के बावजूद गांव के भीतर की सड़कें टूटी-फूटी हैं और रोजमर्रा की कई जरूरतों के लिए लोगों को शहर का रुख करना पड़ता है। इस गांव में केवल दो छोटी दुकानें हैं, जहां ज़रूरत का पूरा राशन नहीं मिलता है। इसलिए लोगों को राशन और दूसरी जरूरी चीजें खरीदने के लिए शहर जाना पड़ता है। बाहर से देखने पर चार किमी की दूरी बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में यही दूरी गांव में आर्थिक रूप से कमज़ोर किसी परिवार के बजट, समय और श्रम के रूप में बहुत मायने रखती है।

गांवों की समस्या को केवल इस सवाल से नहीं समझा जा सकता कि वहां कितनी दुकानें हैं। असली सवाल यह है कि क्या गांव में रहने वाला व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की जरूरतें अपने आसपास से पूरी कर सकता है? अगर राशन की पूरी व्यवस्था गांव में नहीं है, गैस सिलेंडर के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं और जरूरी सामान लेने के लिए शहर जाना पड़ता है, तो इसका असर केवल जेब पर नहीं पड़ता है बल्कि उसके पूरे महीने के बजट पर पड़ता है। किसी मजदूर को सामान लेने के लिए शहर जाना पड़े तो उसके काम का समय भी जाता है। किसी परिवार के पास एक साथ अधिक सामान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा न हो तो वह अपनी जरूरत का सामान भी कम मात्रा में खरीदने को मजबूर हो सकता है। यानी गांव में सुविधाओं की कमी लोगों को ऐसी व्यवस्था में धकेल देती है, जहां छोटी-छोटी जरूरतें भी अतिरिक्त खर्च मांगती हैं।

इसका बोझ परिवार के सभी सदस्यों पर एक जैसा नहीं पड़ता। घर में सामान लाने, बच्चों की जरूरतें पूरी करने और रोजमर्रा के काम संभालने की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं के हिस्से में आती है। ऐसे में जब जरूरी सामान गांव में उपलब्ध नहीं होता, तो यात्रा का अतिरिक्त समय और श्रम भी उनके जीवन में जुड़ जाता है। गांव की कठिनाइयां बाजार तक ही सीमित नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी दूरी और सुविधाओं की कमी बच्चों के भविष्य को प्रभावित करती है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या समय पर शिक्षकों के नहीं आने की समस्या के कारण माता-पिता बच्चों को निजी स्कूल में भेजना चाहते हैं। लेकिन निजी स्कूल का मतलब केवल फीस नहीं है। किताबें, यूनिफॉर्म और बस का खर्च भी परिवार की आय पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। जिन परिवारों की आमदनी पहले ही सीमित है, उनके लिए बच्चे की शिक्षा जारी रखना कई बार आर्थिक चुनौती बन जाता है।

गांव को मजबूत बनाने का मतलब केवल सड़क या इमारत बनाना नहीं, बल्कि ऐसी स्थानीय व्यवस्था तैयार करना है जिसमें लोगों की अपनी जरूरतें गांव में ही उपलब्ध हो जाए। रोजगार गांव के पास हो, बच्चों को गांव में ही अच्छी शिक्षा मिले, जरूरी सामान उचित दाम पर उपलब्ध हो और सरकारी योजनाओं तक पहुंच आसान हो। तभी गांव की दूरी नक्शे पर दर्ज कुछ किमी भर रह जाएगी।

विनय अग्रवाल, उदयपुर, राजस्थान

ललित सुरजन की कलम से

संशयग्रस्त भारत और ओलंपिक

'क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें खिलाड़ियों के साथ मैदान को भी विज्ञापनों से पाटा जा सकता है। अन्य खेलों में यह गुंजाइश कम इसलिए है क्योंकि उनमें अधिक गति होती है और सवा डेढ़ घंटे में खेल खत्म हो जाता है। बेशक फुटबॉल और टेनिस में सट्टेबाजी होती है, खासकर विदेशों में, लेकिन क्रिकेट की सट्टेबाजी के सामने वह कुछ भी नहीं। इस व्यवसायिकता का दूसरा पहलू है कि कोई भी खिलाड़ी जिसने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर ली हो, उसे अपने कब्जे में लेने के लिए विज्ञापनदाता टूट पड़ते हैं। इसमें शायद युवा खिलाड़ियों के माता-पिता के लालच का भी दोष होता है! एक खिलाड़ी को पर्याप्त आर्थिक प्रोत्साहन मिले यह तो ठीक है, लेकिन अगर वह विज्ञापन से मिलने वाले करोड़ों रुपए की चकाचौंध में खो जाएं तो फिर उसका एकाग्रचित्त होकर खेल पाना मुश्किल हो जाता है। हाल के वर्षों में कुछ नए खिलाड़ियों ने जो बेहतरीन उपलब्धियां हासिल कीं उनकी चमक कम पड़ जाने का कारण शायद यही है।'

(देशबन्धु में 25 अगस्त 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/08/blog-post_24.html

गुरुवाणी विचार

गुजरी महला 5

कबहू हरि सिओ चित न लाइओ
धंधा करत बिहानी अउधहि गुण निदि नाम न गाइए (रहाओ)
बिसरत प्रभ केते दुख गनीअहि महा मोहनी खाइए
करो अनुग्रह सुआमी मेरे गनहु न मोहि कमाइए
गोविंद गइआल क्रिपाल सुख सागर नानक हरि सरणाइए।

गुरुवाणी की ये पंक्तियां गूजरी राग से ली गई हैं जो गुरुग्रंथ साहिब के 501 अंग में सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक गुरु अर्जुन देव मानव मन को समझाते हुए कह रहे हैं- इंसान इस संसार में आकर माया, मोह और विषय विकारों में इतना फंस जाता है कि वह अपने जनक प्रभु परमात्मा को ही विसार बैठा है। उस प्रभु परमात्मा से अपना मन जोड़ ही नहीं पाता। चाहिए तो यही था कि इस संसार में जिस प्रभु परमात्मा ने हमें यह सुंदर मानव देही देकर इस धरा पर भेजा है। हमेशा उनका हर वक्त ध्यान लगाता रहे पर वह झूठे आडंबरों में फंस कर उस प्रभु परमात्मा का कभी ध्यान ही नहीं लगाता। जो याद रहे हमें प्रभु परमात्मा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति मानवदेही दी है। यह उसकी हम पर विशेष कृपा है वरना उसके पास तो चौरासी लाख योनियों का अटूट भंडार था वह हमें किसी भी योनि में भेज सकता था पर हमारे पूर्व जनमों में किए गए पुण्य कर्मों के फल के कारण ही हमें मानव देही प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि प्रभु सिमरन में मन लगाए रहें।

जिस प्रकार स्वर्णकार गहने बनाता है पर उन गहनों के बनने और बिकते तक ही उस गहने का ध्यान रखता है। गहना बिका और उसका ध्यान देखरेख खतम। एक कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता है पर बिकने तक ही उसका ध्यान उसमें रहता है, प्रभु परमात्मा ऐसे कारीगर हैं जो इस समस्त संसार की रचना करने के बाद हर जीव के अंदर विराजमान रहकर उसके द्वारा किये गए प्रत्येक कार्य को देखता रहता है जिसका कि लेखाजोखा उनके दरबार में चित्रगुप्त द्वारा रखा जाता है। इसीलिए उस प्रभु परमात्मा को कभी न बिसारे और हर वक्त उसका ध्यान लगाये रखे।

हमें अपने और परिवार का उदर पोषण भी करना है और मन हमेशा प्रभु में लगाये रखना है क्योंकि गुरुदेव ने समझाया है-औरत, ईमान, पुत्तर निशान दौलत गुजरान। अर्थात गृहस्थ में रहकर धर्म का पालन करते हुए हमें ईमानदारी से नेक कमाई करना है और कमाई का दसबंध निकालकर जरूरतमंदों की मदद में दीन दुखियों की सेवा में खर्च करना है पर हमारा मन हर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। इसी बात को भक्त नामदेव त्रिलोचन जी तो कुछ इस तरह समझा रहे हैं-

नामा कहे त्रिलोचना मुख ते नाम संभाल।
हाथ पांव से काम सब चित निरंजन नाल।।

शुरु में हमें यह असंभव प्रतीत होगा जरूर होगा पर धीरे-धीरे अभ्यास करते रहने हमारा मन निरंकार से जुड़ जाएगा। कबीर दास भी कह गए हैं-

केसो केसो कूकिये न सोइऐ आसार।
बार बार के कूकने कभी तो सुने पुकार।।

हर वक्त बार बार स्मरण करते रहने पर कभी न कभी तो हम पर कृपादृष्टि पड़ ही जाएगी और हमें प्रभु दर्शन का लाभ प्राप्त हो जाएगा फिर हमें किसी भी किस्म की तकलीफ नहीं होगी। हमारा मन सदा सुख ही सुख की प्राप्ति करता रहेगा-

सहस्र खटे लखि को उठि धावै।
तृप्त न आवै माया पाछै पावै।।

माया ऐसी मोहिनी है हमारे पास कितनी भी धन दौलत इकट्ठी हो जाए हमारी तृप्ति नहीं हो पाती ये माया मोहनी है बिना दांतों के ही सारे जग को खा रही है- माया ममता मोहिनी जिन बिन दंता जग खाया। पर जो इंसान हर वक्त प्रभु पर ध्यान लगाए रखते हैं उसकी तृप्ति खतम हो जाती है उन्हें संतोष की प्राप्ति हो जाती है।

- इंदर सिंह आहुजा

सार-समाचार

राधा जन्मोत्सव पर आनन्द धाम पर हुई भजन संध्या

आष्टा, देशबन्धु। राधा जनमाष्टमी पर प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी आनंद धाम पर राधाजी का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । इस अवसर पर राधा रानी का पंचामृत से सर्व औषधी से अभिषेक पूजन किया गया। रात्रि में भजन संध्या में राधा रानी के भजन की प्रस्तुति अनेक कलाकारों द्वारा दी गई । भजन संध्या में भजन गायकों द्वारा राधा रानी के भजन प्रस्तुत किये गये । कार्यक्रम में रामश्री वादी, पंकज राव, शिवश्री वादी, ज्ञान सिंह ठाकुर, जीवन सिंह, रोहित गौतम, रतन सिंह, लंकेश, दिनेश मेवाड़ा, डॉ पूनम चंद विक्की, श्रीमती पाठक, जीवन सोलंकी मालीखेड़ी, अजय सोलंकी, बाबूलाल मेवाड़ा, प्रेम नारायण शर्मा, नानूराम नागदा, पंडित जितेंद्र व्यास, कमल सेन भगत, प्रदीप प्रगति, कैलाश भोजवानी, लखन लाल, शंकर लाल, भगवान दास मेवाड़ा, सुनील, बृजमोहन सोनी, कृष्णा सोनी, अंबुज माथुर, जगदीश प्रसाद, पंडित भवानी शंकर शर्मा, कन्हैयालाल शर्मा, पार्वती पिंकी शर्मा, आदि सभी भक्त गण उपस्तिथ रहे ।

लव-कुश जन्मोत्सव पर चल समारोह 28 को

आष्टा, देशबन्धु। कुशवाहा समाज के आराध्य भगवान लव-कुश के जन्मोत्सव के अवसर पर कुशवाहा समाज के तत्वावधान में आगामी 28 सितंबर को भव्य चल समारोह एवं जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आमंत्रण को लेकर लव-कुश जयंती समिति के अध्यक्ष बलराम कुशवाहा अपनी कार्यकारिणी के साथ परसराम कॉम्प्लेक्स स्थित कुशवाहा समाज जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद के कार्यालय पर समाजबंधुओं को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। लव-कुश जयंती समिति अध्यक्ष बलराम कुशवाहा ने बताया कि भव्य चल समारोह 28 सितंबर सोमवार को प्रातः 10.30 बजे भोपाल नाका, सीहोर से प्रारंभ होकर लव-कुश चौराहा, माता मंदिर होते हुए सुंदर गार्डन, पहुंचेगा। यहां भगवान लव-कुश जन्मोत्सव के अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर कुशवाहा समाज जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद ने लव-कुश जयंती समिति अध्यक्ष बलराम कुशवाहा का पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर स्वागत-सम्मान किया। साथ ही समिति के संयोजक रामचंद्र पटेल पूर्व पार्षद, मनोहर लाल कुशवाह पूर्व अध्यक्ष, सनन कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा, लक्ष्मी नारायण पटेल, अर्जुन कुशवाहा, मनोहर कुशवाहा आढ़तिया, दीपक कुशवाहा, छोटू कुशवाहा सहित अन्य पदाधिकारियों का भी पुष्पमाला एवं साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस बंद करने समेत मांगों को लेकर रखा उपवास

रायसेन, देशबन्धु। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के बैनर तले रविवार को महामाया चौक पर जिलेभर के शिक्षकों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सामूहिक उपवास कर धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस बंद करने, वर्तमान में सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने सहित अन्य मांगों को लेकर नारेबाजी की। संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष सीताराम रैकवार ने बताया कि प्रदेश के सभी 52 जिलों में एक साथ सामूहिक उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। रायसेन में भी शिक्षकों ने मांगों के समर्थन में धरना दिया। उपवास में सीताराम रैकवार, तेगबहादुर सिंह राजपूत, सुमेर सिंह, नरेंद्र कुमार राजोरिया, सविता ठाकुर, राजकुमार राज, मनोज शाक्या, हमीर सिंह और राजेश जोशी सहित अन्य शिक्षक शामिल हुए। धरने के बाद शिक्षक महामाया चौक से करीब 3 किलोमीटर की रैली निकालते हुए सांची रोड स्थित कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मनीष शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्त रखने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर पेंशन, ग्रेच्युटी और अवकाश नगदीकरण का लाभ देने, ई-अटेंडेंस बंद करने, सितंबर 2022 की हड़ताल अवधि का वेतन भुगतान करने तथा लंबित क्रमोन्नति और समयमान वेतनमान के आदेश जारी करने की मांग की गई।

अंधेरे की चपेट में सांची, त्योहारों पर भी नहीं जलती स्ट्रीट लाइटें

ऐतिहासिक स्थल की बिजली व्यवस्था प्रशासन की उपेक्षा की शिकार

सांची, देशबन्धु। हजारों वर्ष पुरानी ऐतिहासिक एवं विश्व प्रसिद्ध धरोहर के रूप में पहचान रखने वाला सांची नगर आज भी समुचित बिजली एवं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के अभाव में अंधेरे की चपेट में है। नगर को सुंदर और रोशन बनाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने तथा विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाने के बावजूद प्रमुख मार्गों पर अंधेरा पसरा रहना प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थिति यह है कि तीज-त्योहारों के अवसर पर भी नगरवासियों को अंधेरे से राहत नहीं मिल पा रही है, जिसका असर यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों पर भी पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार सांची का ऐतिहासिक महत्व हजारों वर्ष पुराना माना जाता है और यहां प्राचीन धरोहरें सुरक्षित हैं। पर्यटन एवं सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण इस स्थल पर शासन-प्रशासन द्वारा समय-समय पर करोड़ों रुपये की विकास योजनाएं संचालित की गई हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग से लेकर नगर को रोशन और सुंदर बनाने तक के दावे किए जाते रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा नगर में स्ट्रीट लाइट के पोल लगाए गए थे, लेकिन कुछ समय तक रोशनी देने के बाद अधिकांश लाइटें बंद हो गईं। अब कई स्थानों पर पोल खड़े हैं, लेकिन सड़कें अंधेरे में हैं।

नगरवासियों का कहना है कि स्ट्रीट लाइट व्यवस्था की बदहाली केवल आवागमन की परेशानी तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यटकों की सुरक्षा और नगर की छवि से भी जुड़ा विषय है। विशेष रूप से शाम और रात के समय प्रमुख मार्गों पर अंधेरा रहने से असुविधा बढ़ जाती है। वहीं, नगर में लगाए गए कई बिजली पोल अब आड़े-तिरछे दिखाई देने लगे हैं, जिससे इनके गिरने की आशंका भी बनी हुई है। नगरवासियों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि जब कोई विशिष्ट अथवा अति विशिष्ट अतिथि सांची आता है तो स्ट्रीट लाइट व्यवस्था अचानक दुरुस्त दिखाई देने लगती है, लेकिन अतिथि के जाते ही नगर फिर अंधेरे में डूब जाता है। इसी कारण लोगों में इसे लेकर अब 'अतिथि लाइट' जैसी चर्चा होने लगी है। ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी की स्थायी बिजली व्यवस्था के बजाय केवल विशेष अवसरों पर रोशनी किए जाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस संबंध में नगर परिषद सीएमओ रामलाल कुशवाहा से फोन पर चर्चा करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

देश की पहली सोलर सिटी का सपना भी धुंधला : सांची को देश की पहली सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का सपना भी दिखाया गया था। इस दिशा में करोड़ों रुपये की योजनाएं और व्यवस्थाएं किए जाने की बात सामने आती रही, लेकिन कुछ समय बाद सोलर ऊर्जा से संचालित होने वाली कई व्यवस्थाएं भी बंद होती चली गईं। नगरवासियों में इस बात को लेकर चर्चा है कि नगर को रोशन करने के नाम पर खर्च की गई राशि का अपेक्षित परिणाम आखिर क्यों दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की उपयोगिता और उनके रखरखाव पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जिम्मेदारों ने कहा—जल्द चालू कराने के प्रयास करेंगे : नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने कहा कि नगर में लगातार विकास कार्य किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के संबंध में कई बार निर्देश दिए गए हैं, लेकिन बिजली व्यवस्था को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके कारण नगर में अंधेरा रहता है। उन्होंने कहा कि एक बार फिर प्रयास कर स्ट्रीट लाइट चालू कराई जाएगी। अतिरिक्त तहसीलदार सांची सुरेश सिंह ने बताया कि स्ट्रीट लाइट का मुद्दा पिछली शांति समिति की बैठक में भी उठाया गया था। उस समय राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद लाइटें चालू की गई थीं। अब लाइट में कहीं खराबी होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को शीघ्र लाइटें चालू करने के निर्देश दिए जाएंगे तथा नगर परिषद सीएमओ को भी बिजली व्यवस्था सुचारू करवाने के लिए कहा जाएगा। समाजसेवी कमलकिशोर पटेल ने कहा कि स्ट्रीट लाइट का मुद्दा शांति समिति की बैठक में भी उठाया गया था, लेकिन नगर अब पूरी तरह अंधेरे में है। जगह-जगह लगाए गए बिजली पोल भी आड़े-तिरछे हो चुके हैं, जो कभी भी गिरकर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। जब लाइटें जल ही नहीं रही हैं तो ऐसे पोलों को हटाना ही उचित होगा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित मेहतो ने कहा कि विकास के नाम पर लगातार करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर विकास के दावे खोखले दिखाई दे रहे हैं। त्योहारों के समय जब नगर अंधेरे में डूबा रहता है, तब व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ जाती है और लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।

सड़क निर्माण के नाम पर दूसरी सड़कों पर बिखर रही गिट्टी, वाहन चालक परेशान

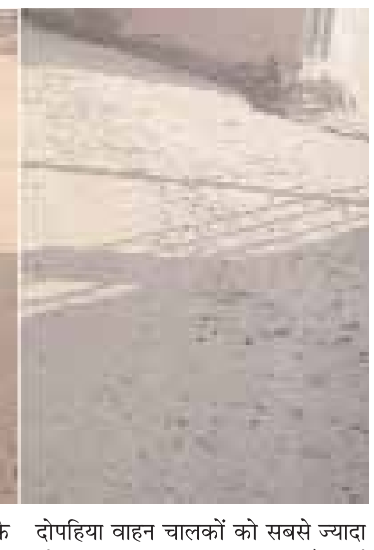

सांची, देशबन्धु। नगर में विकास के नाम पर विभिन्न वार्डों में तेजी से सीसी रोड का निर्माण कार्य चल रहा है। लेकिन निर्माण एजेंसी की लापरवाही के चलते दूसरी सड़कों पर गिट्टी बिखर रही है, जिससे वाहन चालक परेशान हो रहे हैं और हादसे का खतरा बढ़ गया है।

जानकारी के अनुसार नगर के कई वार्डों में सीसी रोड निर्माण का कार्य प्रगति पर है। निर्माण स्थलों तक मिक्स मटेरियल पहुंचाने के दौरान मिक्सर वाहन से ही आम रास्तों पर गिट्टी गिर रही है। सड़कों पर बिखरी गिट्टी के कारण वाहन फिसल रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बाइक सवार गिट्टी पर फिसलकर चोटिल होते-होते बचे हैं। आश्चर्य की बात है कि निर्माण एजेंसी इस ओर पूरी तरह से बेफिक्र बनी हुई है और नगर परिषद प्रशासन भी इस समस्या को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहा है। इस संबंध में जब सीएमओ से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। नगरवासियों ने मांग की है कि निर्माण एजेंसी को सड़कों पर फैली गिट्टी को तुरंत हटाने और परिवहन के दौरान सावधानी बरतने के निर्देश दिए जाएं, ताकि हादसों को रोका जा सके।

अतिरिक्त पुलिस अध्यक्ष ने किया थाने का निरीक्षण

आष्टा, देशबन्धु। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे द्वारा आष्टा थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी दामोदर गुप्ता उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय एवं विभिन्न शाखाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। अतिरिक्त पुलिस अध्यक्ष ने थाने के रिकॉर्ड कक्ष का निरीक्षण कर अभिलेखों के रख-रखाव एवं संधारण की स्थिति का जायजा लिया ।

थाने में संधारित विभिन्न महत्वपूर्ण रजिस्टरों, समय रजिस्टर सहित, का अवलोकन किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। थाना परिसर स्थित साइबर सेल की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। थाना कार्यालय एवं अन्य शाखाओं में रखे अभिलेखों तथा आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर साफ-सफाई एवं व्यवस्थित रख-रखाव के संबंध में निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों एवं रजिस्टरों का नियमित रूप से अद्यतन संधारण करने तथा थाना परिसर की समस्त व्यवस्थाओं को व्यवस्थित एवं सुचारू बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नर्सिंग कॉलेज में नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान का आयोजन

युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

रायसेन, देशबन्धु। मेरा युवा भारत रायसेन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आज नर्सिंग कॉलेज में प्रातः 11 बजे नशा मुक्त युवा विकसित भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे एवं मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ, जिम्मेदार एवं नशामुक्त जीवनशैली के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. यशपाल बाल्यान, सिविल सर्जन, रायसेन एवं वेद प्रकाश शर्मा, संचालक, नशा मुक्ति केंद्र, सांची उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता/विशिष्ट उपस्थिति में नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्य आशालता श्रीधरन तथा सिस्टर ट्यूटर अजिता रानी सहित लगभग 200 युवाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं द्वारा नुक्कड़ नाटक, पोस्टर मेकिंग, नशा मुक्ति विषय पर संवाद एवं जागरूकता चर्चा आयोजित की गई। इसके साथ ही युवाओं ने मानव श्रृंखला बनाकर नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प एवं शपथ ली।

मुख्य अतिथियों द्वारा युवाओं को नशे से दूर रहने, अपने साथियों एवं समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेताओं एवं प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों एवं मेरा युवा भारत के युवाओं की सक्रिय सहभागिता रही।

विज्ञान-गणित मेले में 120 विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की प्रतिभा

रायसेन, देशबन्धु। विद्या भारती मध्य भारत प्रांत के तत्वावधान में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रामलीला मैदान में गणित एवं विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इसमें रायसेन जिले के विभिन्न सरस्वती शिशु विद्या मंदिरों से 120 विद्यार्थियों के साथ 14 संरक्षण आचार्य-दीदी शामिल हुए। विद्यार्थियों ने विज्ञान और गणित से जुड़े विभिन्न मॉडल, प्रयोग और गतिविधियां प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना एवं उद्घाटन के साथ हुआ। इसके बाद विज्ञान प्रश्न मंच, वैदिक गणित प्रश्न मंच, विज्ञान एवं गणित पत्र वाचन (भैया-बहन), आचार्य वर्ग का पत्र वाचन, विज्ञान प्रदर्शन, गणित प्रदर्शनी, विज्ञान प्रयोग और गणित प्रयोग सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम में स्वामी रामकृष्ण शिक्षा समिति के सचिव सुरेंद्र राय, कार्यक्रम संयोजक एवं बेगमगंज (हनुमान बाग) की प्राचार्य श्रीमती स्मिता वेद, कार्यक्रम प्रभारी एवं सिलवानी के प्राचार्य विपिन बिहारी तथा विद्यालय के प्राचार्य चंद्रेश खरेलिया उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में अमित कुमार वर्मा, श्रीमती अंजना वर्मा, अभिषेक अग्निहोत्री, विवेक महेश्वरी, मनोज रजक, पुरुषोत्तम पाठक, अन्वेश सक्सेना, पवन सोनी एवं श्रीमती प्रीति सोनी ने विद्यार्थियों के प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन किया।

तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ का सम्मेलन आयोजित

रायसेन, देशबन्धु। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ का भोपाल संभागीय सम्मेलन रविवार को रायसेन के मुखर्जी नगर स्थित शगुन गार्डन में आयोजित हुआ। सम्मेलन में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से कर्मचारी और संघ पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान कर्मचारियों ने आपसी परिचय के साथ विभागीय समस्याओं, खासकर पदोन्नति से जुड़े मामलों पर चर्चा की। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि अधिकांश समस्याओं का समाधान हो चुका है, जबकि एक मामले पर कार्रवाई जारी है। सम्मेलन में पशुपालन विभाग में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम और खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर सहमति बनी। पदाधिकारियों ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य प्रदेशभर के कर्मचारियों को एक मंच पर लाकर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान के लिए आगे की कार्रवाई करना है।

मन, वचन और कर्म में एकरूपता ही उत्तम सत्य धर्म है: सुधा

सांची, देशबन्धु। मन, वचन और कर्म में एकरूपता रखना ही उत्तम सत्य धर्म है। स्थानीय श्री शीतलनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी में चल रहे दशलक्षण पर्यूषण महापर्व के पांचवें दिन श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ उत्तम सत्य धर्म की आराधना की गई। जिनालय में प्रातःकाल श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान का सामूहिक अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। इस अवसर पर हुई शांतिधारा की बोलियों में सर्वोच्च बोली लेने का सौभाग्य मनोज भैयालाल जैन गुलगांव और अतिशय संदीप जैन सांची को प्राप्त हुआ, जिसकी उपस्थित सभी धर्मावलंबियों ने अनुमोदना की। दोपहर में राजमल गौरीशंकर जैन गुलगांव, आनंद अंकित जैन, पदम जैन, प्रिंस जैन सांची तथा धर्मेंद्र जैन आमखेड़ा द्वारा मंदिर जी में शांति विधान का आयोजन किया गया। पर्यूषण पर्व के अवसर पर बेंगलुरु से पधारी समाज सेविका श्रीमती सुधा जैन ने अपने प्रवचन में उत्तम सत्य धर्म की व्याख्या करते हुए कहा कि प्रत्येक जीव का जीवन सत्य पर ही टिका है। सत्य का अर्थ केवल सच बोलना ही नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म से सत्य का आचरण करना भी है। उन्होंने महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि युधिष्ठिर सत्य के लिए प्रसिद्ध थे। इस अवसर पर सुनील जैन, रश्मि विजय जैन, गोपाल जैन, सोनू जैन, रचना जैन, निर्मला जैन, अल्पना जैन, वर्षा जैन, पुष्पलता जैन, अनीता जैन, ममता जैन, रश्मि राजमल जैन, महिल जैन, हिमांशु जैन, गोरेलाल जैन, सुशील जैन, विक्की जैन तथा सत्यम जैन सहित बड़ी संख्या में धर्मावलंबी उपस्थित रहे।

बाजार की नई व्यवस्था पर फल व्यापारियों का विरोध, सब्जी विक्रेताओं ने संभाला नया बाजार

भैरूंदा, देशबन्धु। *नगर में फल एवं सब्जी व्यापारियों को एक स्थान पर व्यवस्थित करने के लिए नगर परिषद द्वारा बस स्टैंड के पास बनाए गए नए फल-सब्जी बाजार में शनिवार से व्यापार शुरू कराने की प्रक्रिया शुरू हुई। नई व्यवस्था के तहत सब्जी विक्रेता नए बाजार में पहुंचे और अपनी दुकानें लगाईं, जबकि नगर के हाट-ठेलों पर फल बेचने वाले कई व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर शांतिपूर्वक विरोध दर्ज कराया।*

नगर परिषद द्वारा बस स्टैंड के पास करीब 102 दुकानें तैयार की गई हैं। वहीं नगर परिषद ने करीब सात वर्ष पहले जनपद पंचायत के पीछे लगभग 50 दुकानें फल एवं सब्जी व्यापारियों के लिए बनाई थीं। व्यापारियों का कहना है कि पुरानी व्यवस्था के बाद अब नई दुकानों का निर्माण किया गया है, लेकिन फल विक्रेताओं के बीच नई व्यवस्था को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। हालांकि कुछ फल व्यापारियों ने अपनी दुकानें खुली रखीं। सीहोर नाका और जेपी मार्केट सहित कुछ स्थानों पर फल विक्रेताओं ने दुकानें लगाकर फल बेचे। इससे शहरवासियों को फल खरीदने के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर ने कहा कि फल और सब्जी विक्रेता लंबे समय से सड़क किनारे दुकानें लगाकर व्यापार कर रहे थे। इससे व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी परेशानी होती थी। सड़क पर भीड़ के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ दुर्घटना का खतरा भी बना रहता था। उन्होंने कहा कि फल एवं सब्जी विक्रेताओं की मांग को देखते हुए प्रशासन से चर्चा कर सड़क किनारे ही व्यवस्थित फल-सब्जी बाजार तैयार कराया गया है। उद्देश्य यह है कि नगरवासियों को एक ही स्थान पर फल और सब्जियां उपलब्ध हों तथा बाजार भी व्यवस्थित और सुंदर दिखाई दे। अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि जो व्यापारी फिलहाल नई व्यवस्था का समर्थन नहीं कर रहे हैं, वे भी जल्द अपनी दुकानें नए बाजार में लगाएंगे।

पुरानी दुकानों की व्यवस्था पर भी उठे सवाल : *कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुनील गोलिया ने कहा कि नगर परिषद ने करीब सात वर्ष पहले जनपद पंचायत के पीछे लगभग 50 दुकानें बनाकर व्यापारियों को उपलब्ध कराई थीं, लेकिन उनकी व्यवस्था और उपयोग को लेकर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। अब एक बार फिर करीब 100 से अधिक दुकानें बनाकर फल एवं सब्जी विक्रेताओं को दी गई हैं। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के बाद कुछ फल व्यापारी विरोध कर रहे हैं। शासन और प्रशासन को व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिसमें व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों की सुविधा का भी ध्यान रखा जाए।*

महिलाओं ने धूमधाम से मनाई राधाष्टमी

भैरूंदा, देशबन्धु। नगर में महिला समन्वय एवं सेवा भारती की मातृशक्ति द्वारा राधाष्टमी का पर्व उत्साह, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी सजाई गई, जिसने उपस्थित महिलाओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन किए। राधारानी और श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। महिलाओं ने एक-दूसरे को राधाष्टमी की शुभकामनाएं दीं तथा विधि-विधान से राधा-कृष्ण का पूजन-अर्चन कर परिवार और समाज में सुख-समृद्धि की कामना की। महिला समन्वय की जिला संयोजिका राधिका जैमिनी ने कहा कि इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन महिलाओं को एकजुट करने के साथ ही सनातन संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से महिलाओं में सामाजिक और सांस्कृतिक सहभागिता की भावना मजबूत होती है। वहीं पूजा बैरागी ने कहा कि महिला समन्वय द्वारा प्रत्येक सप्ताह महिलाओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे महिलाएं एक स्थान पर एकत्रित होकर आपस में संवाद करने के साथ धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता कर सकें। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक आरती की गई। इसके बाद सभी महिलाओं को प्रसाद का वितरण किया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक आयोजन में सहभागिता कर राधाष्टमी पर्व को यादगार बनाया।

सार समाचार

ऑटो एकता यूनियन की बैठक में कार्यकारिणी का गठन

सिरोंज, देशबन्धु। रविवार को ऑटो एकता यूनियन की बैठक ऑटो चालकों की मौजूदगी में आयोजित हुई। बैठक में ऑटो चालकों की विभिन्न समस्याओं सहित संगठन को मजबूत बनाने को लेकर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यूनियन की कार्यकारिणी का गठन कर पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यूनियन अध्यक्ष रजत सक्सेना ने बताया कि बैठक में ऑटो चालकों के हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के साथ उनकी समस्याओं को संगठन के माध्यम से प्रमुखता से उठाने और आपसी समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया गया। गठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष रजत सक्सेना, संरक्षक नन्दू भाई, उपाध्यक्ष राजा भाई, सचिव सलीम भाई, कोषाध्यक्ष महेश बाबू, संगठन मंत्री सलमान भाई, प्रचार मंत्री जितेंद्र अहिरवार, सोशल मीडिया प्रभारी जीशान भाई, मीडिया प्रभारी पत्रकार अब्दुल अलीम, कानूनी सलाहकार मुस्ताक वकील और व्यवस्थापक बबलू भाई को जिम्मेदारी सौंपी गई। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन ऑटो चालकों की समस्याओं को एकजुट होकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेगा तथा उनके हितों के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

देवपुर में पुरानी मंदिर समिति भंग, सर्वसम्मति से नई समिति का गठन

सिरोंज, देशबन्धु। देवपुर धाम स्थित सद्गुरु रविदास समाज एवं शिक्षा कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को आयोजित हुई। बैठक में मंदिर की व्यवस्था और भविष्य के संचालन को लेकर समाजजनों ने चर्चा की। सर्व समाज की सहमति से पुरानी मंदिर समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया गया।

नई समिति में ग्राम आंधारेला निवासी मेहरबान सिंह आहिरवार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष, ग्राम भौरा निवासी सुरेंद्र आहिरवार को उपाध्यक्ष तथा डॉ. विनोद मडोतिया को मंदिर सचिव चुना गया। बैठक में बड़ी संख्या में अहिरवार समाज के लोग उपस्थित रहे। समाजजनों ने नई समिति से मंदिर की व्यवस्था ईमानदारी, पारदर्शिता और समाज की सहभागिता के साथ संचालित करने की अपेक्षा जताई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने पद की शपथ लेते हुए मंदिर की जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया। उन्होंने मंदिर की आय-व्यय का सही हिसाब रखने तथा महत्वपूर्ण निर्णय समाज एवं समिति की सहमति से लेने की बात कही। बैठक में यह भी तय किया गया कि मंदिर की व्यवस्था किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी होगी।

शांतिनाथ जिनालय में संगीतमय पूजन और महाआरती में झूमे श्रद्धालु

गंजबासौदा, देशबन्धु। जैन धर्म के महत्वपूर्ण पर्व पर्यूषण के दस दिवसीय धर्म आराधना क्रम में पांचवें दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम सत्य धर्म की आराधना की।

शांतिनगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धार्मिक आयोजन हुए। प्रातःकाल भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर मूलनायक भगवान शांतिनाथ की संगीतमय पूजन की गई। इसके साथ ही जिनमुखोद्भव सरस्वती देवी की पूजा एवं तत्त्वार्थ सूत्र ग्रंथ का वाचन किया गया। श्री शांतिनाथ जिनालय के अध्यक्ष देवेंद्र जैन कटारे ने बताया कि पर्यूषण पर्व के दौरान प्रतिदिन आयोजित होने वाली संगीतमय महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर धार्मिक आनंद लिया। इसके बाद विद्वानों ने वचनिका के माध्यम से उत्तम सत्य धर्म का महत्व बताया। वचनिका में बताया गया कि जो बात जैसी है, उसे वैसी ही कहना और कपट से दूर रहना उत्तम सत्य धर्म है। सत्य बोलते समय इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि हमारे शब्दों से किसी को अनावश्यक दुख या नुकसान न पहुंचे। जैन दर्शन में सत्य के साथ अहिंसा, संयम और मधुर वाणी को भी महत्वपूर्ण माना गया है। विद्वानों ने कहा कि सत्य केवल झूठ न बोलने तक सीमित नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म में ईमानदारी रखना भी सत्य धर्म का हिस्सा है। व्यक्ति को अपने विचारों में सच्चाई, वाणी में मधुरता और कार्यों में ईमानदारी रखने का प्रयास करना चाहिए।

गणेश अथाई में भक्ति संगीत-नृत्य प्रतियोगिता ने बांधा समां

▶ **24 प्रतिभागियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां**

सिरोंज, देशबन्धु। गणेश उत्सव के अवसर पर शुक्रवार रात गणेश अथाई में आयोजित भक्ति संगीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं और दर्शकों का मन मोह लिया।

प्रतियोगिता में शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से 24 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने भक्ति गीतों और नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अद्विका भावसार ने प्रथम, चिंकी जोगी ने द्वितीय तथा कनिष्का श्रीवास्तव ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में कमला चौरसिया, नलिनी जैन एवं अंकिता शर्मा शामिल रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष कृष्ण बिहारी पाण्डेय ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागी और अधिक मेहनत करें, क्योंकि मेहनत करने वालों को सफलता निश्चित रूप से मिलती है। भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह दांगी ने कहा कि गणेश अथाई के आयोजन को भव्यता और दिव्यता प्रदान करने का श्रेय पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा को जाता है।

इस अवसर पर शिवकुमार मिश्रा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सतीश श्रीवास्तव ने किया, जबकि आभार सरसिज शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में योगेंद्र सोनी, सर्वेश शर्मा, नितिन शर्मा, लेखराज धाकड़, मनोज सेन, अनुज प्रजापति, संजू सेन सहित समिति के पदाधिकारी, प्रतिभागी, उनके परिजन एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन

सिरोंज, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार सिरोंज द्वारा पालीवाल गार्डन में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का रविवार को पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। विश्व शांति एवं जनकल्याण की कामना को लेकर यजमानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ कुंड में आहुतियां दीं। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। सिरोंज में अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा पहली बार पंच कुंडीय महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसे सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। प्रमिला दीदी एवं कपूर दीदी ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण कर यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ में समाज में समानता और समरसता का भाव भी देखने को मिला। कार्यक्रम में कुरवाई से जिला समन्वयक मुकेश तिवारी, विदिशा से आई ट्रस्टी दीदियां, यजमानगण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। गायत्री परिवार द्वारा विदिशा जिले की सभी तहसीलों में संगठन के विस्तार के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

दशलक्षण पर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म की पूजा, श्रद्धा से गूंजा टोरी मंदिर

सिरोंज, देशबन्धु। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर टोरी में चल रहे दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व के अंतर्गत पांचवें दिन आज उत्तम सत्य धर्म का पर्व बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया। प्रातःकाल भगवान पार्श्वनाथ का मंगल अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजा के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अभिषेक का सौभाग्य जैन परिवारों ने प्राप्त किया। तत्पश्चात उत्तम सत्य धर्म मंडल विधान की पूजा-अर्चना की गई। मंदिर के पुजारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप। जिसके हृदय में सच्चाई है, उसी के हृदय में भगवान वास करते हैं। सत्य वही है जो हितकारी, प्रिय और किसी जीव को दुःख न पहुंचाने वाला हो।' इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, महिला मंडल एवं युवा मंडल ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लिया। अंत में सभी ने जीवन भर सत्य, प्रिय और हितकारी वाणी बोलने का संकल्प लिया।

आपसी सहमति से 17 साल पुराने कब्जा विवाद का निराकरण

तहसीलदार की समझाइश के बाद कब्जाधारी ने छोड़ी जमीन

गंजबासौदा, देशबन्धु। तहसील क्षेत्र में करीब 17 साल से चले आ रहे भूमि कब्जा विवाद का राजस्व अधिकारियों की पहल और दोनों पक्षों की आपसी सहमति से निराकरण कर दिया गया। कलेक्टर अंशुल गुप्ता के आदेश एवं एसडीएम अनुभा जैन के निर्देश पर राजस्व अमले ने कार्रवाई करते हुए भूमि की मूल आवेदिका शांति बाई धानक को दोबारा मौके पर कब्जा दिलाया। जानकारी के अनुसार तहसील बासौदा अंतर्गत खसरा नंबर 465 की कुल 0.575 हेक्टेयर भूमि आवेदिका शांति बाई, पति स्वर्गीय अमरा धानक के नाम दर्ज है। इस भूमि पर वर्ष 2008 से माखन लोधी द्वारा खेती की जा रही थी। बताया गया कि वर्ष 2008 में माखन लोधी ने एक लाख रुपए के बदले आवेदिका के पति स्वर्गीय अमरा से 50 रुपए के स्टाम्प पर 20 वर्ष के सिकमी अनुबंध का उल्लेख करते हुए दस्तावेज तैयार कराया था।

मामले में तहसीलदार बासौदा अतुल श्रीवास्तव ने आवेदिका शांति बाई एवं भूमि पर काबिज माखन लोधी को तहसील कार्यालय में बुलाकर दोनों पक्षों के दस्तावेजों का अवलोकन किया और उनकी सुनवाई की। तहसीलदार ने दोनों पक्षों को अनुबंध में पाई गई त्रुटियों तथा उसके विधिसंगत नहीं होने के संबंध में जानकारी देते हुए समझाइश दी। समझाइश के बाद कब्जाधारी माखन लोधी ने स्वयं भूमि से कब्जा छोड़ने पर सहमति जताई। इसके बाद दोनों पक्षों की लिखित सहमति ली गई। सहमति के आधार पर शनिवार 19 सितंबर 2026 को राजस्व निरीक्षक सौरभ प्रजापति एवं हल्का पटवारी प्रदीप साहू ने मौके पर पहुंचकर शांति बाई धानक, बेवा स्व. अमरा धानक को भूमि पर कब्जा दिलाया। राजस्व अमले की इस कार्रवाई के साथ ही करीब 17 साल से चले आ रहे भूमि संबंधी विवाद का आपसी सहमति से निराकरण हो गया।

राधाष्टमी पर गणेश झांकी में लगा छप्पन भोग

गंजबासौदा, देशबन्धु। गणेश उत्सव के दौरान नगर में जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 7 में लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास पंकज तिवारी वाली गली में सजाई गई भगवान गणेश की झांकी में रविवार को राधाष्टमी के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर भगवान गणेश को छप्पन भोग अर्पित किया गया। झांकी स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भगवान को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से सजे छप्पन भोग का प्रसाद अर्पित किया गया। छप्पन भोग में विभिन्न प्रकार के मिष्ठान, फल एवं अन्य पकवान शामिल किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की। राधाष्टमी के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र के महिला-पुरुष एवं बच्चों ने भी उत्साह के साथ सहभागिता की। झांकी स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय नजर आया। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया। गणेश उत्सव के चलते वार्ड में प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शाम के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु झांकी स्थल पर पहुंचकर भगवान गणेश के दर्शन कर रहे हैं। राधाष्टमी पर छप्पन भोग आयोजन के दौरान भी देर शाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और क्षेत्र में भक्ति एवं उत्साह का माहौल रहा।

विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस का समापन कार्यक्रम संपन्न

सिरोंज, देशबन्धु। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन समारोह रविवार को सिरोंज स्थित संस्कार गार्डन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रांत गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल रहे। वहीं विभाग सह मंत्री चन्द्रभान सिंह बघेल, समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना, जिला अध्यक्ष मुकेश सेन, जिला उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जिला मंत्री रविंद्र ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी मंचासीन रहे। वक्ताओं ने विश्व हिंदू परिषद की स्थापना, उसके उद्देश्यों तथा हिंदू समाज को संगठित करने के लिए किए जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में एकता, संस्कार और धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। समापन अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन की गतिविधियों को आगे बढ़ाने तथा समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जगदीश शाक्य, तुलसी नारायण, अनिल, प्रदीप राठौर, बसंती लाल कुशवाहा, अविनाश अग्रवाल, ज्ञान सिंह, अशोक, रोहित यादव सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मातृशक्ति एवं दुर्गा वाहिनी की बहनों ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की।

इंदौर के छात्रों की गूंज कार्यक्रम का हुआ प्रसारण

सिरोंज, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देवपुर-सिरोंज द्वारा इंदौर में आयोजित राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का लाइव प्रसारण शनिवार को छतरी नाके पर किया गया। कार्यक्रम को सुनने के लिए बड़ी संख्या में युवा एवं छात्र उपस्थित रहे। लाइव प्रसारण के दौरान युवाओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह नजर आया। इस अवसर पर देवपुर ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन राजपूत, सिरोंज ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश यादव, अवध शर्मा, कमल सिंह यादव, सादिक कुरैशी, चंद्रशेखर तिवारी, नरेंद्र तरण, लालू वकील राजपूत सहित कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गायत्री मंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने दी लोकमंगल की आहुतियां

गंजबासौदा, देशबन्धु। गायत्री परिवार द्वारा अखंड ज्योति के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में पूरे देश में आयोजित हो रहे महायज्ञ की श्रृंखला में जवाहर रोड पर आयोजित पंच कुंडीय यज्ञ में गायत्री मंत्रों की गूंज के बीच श्रद्धालुओं ने यज्ञकुंड में लोकमंगल, विश्व कल्याण और परिवार की सुख-शांति की कामना के साथ आहुतियां अर्पित कीं। इस अवसर पर ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि की जन्म जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। मालूम हो कि गायत्री परिवार द्वारा वर्ष 2026 को माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी और अखंड ज्योति के शताब्दी वर्ष के रूप में विशेष रूप से मनाया जा रहा है। देश भर में इस अवसर पर आध्यात्मिक साधना के साथ विभिन्न रचनात्मक एवं सामाजिक अभियानों को गति दी जा रही है। गायत्री यज्ञ, सामूहिक साधना, ज्योति कलश यात्राएं, परिवार प्रबोधन, संस्कार निर्माण, व्यसनमुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से गायत्री परिवार इस अभियान को जन-जन तक पहुंचा रहा है। जवाहर रोड स्थित संदीप तिवारी के निवास पर आयोजित गायत्री महायज्ञ में गायत्री परिवार से जुड़े साधकों ने लोक मंगल की कामना से आहुतियां छोडी। आयोजन में माता भगवती देवी शर्मा के तप, त्याग और सेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके विचारों को जीवन में उतारने का आह्वान किया गया। वहीं पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि के आध्यात्मिक योगदान को नमन किया गया। महायज्ञ का समापन सामूहिक प्रार्थना और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में मूडरीधाम के महंत परशुराम दास जी महाराज भी विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

जंप ब्लॉक इकाई की बैठक सम्पन्न, पांच नए पत्रकार संगठन से जुड़े

गंजबासौदा, देशबन्धु। जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश (जंप), नेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स इंडिया (एनएफजेआई) की गंजबासौदा ब्लॉक इकाई की बैठक स्थानीय रेस्ट हाउस में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की एकजुटता, विस्तार और पत्रकार हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष अभिनय श्रीवास्तव ने की। बैठक को संबोधित करते हुए अभिनय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अरुण सक्सेना के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जंप पत्रकारों के मान-सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रहा है। पत्रकारों के सामने किसी भी प्रकार की विपरीत परिस्थिति आने पर संगठन एकजुट होकर उनके साथ खड़ा रहेगा। बैठक में ब्लॉक इकाई को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के लिए सदस्यता अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया। इसी क्रम में पत्रकार चंद्रमोहन माली, पुखराज विश्वकर्मा, मनीष दांगी, अशोक शर्मा एवं प्रदीप मैथिल को नवीन सदस्यता देकर संगठन में शामिल किया गया। इसके अलावा ब्लॉक स्तर पर पत्रकार हितों से संबंधित संगोष्ठी, सम्मान समारोह एवं जनहित के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित करने पर भी सहमति बनी। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष अभिनय श्रीवास्तव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन नरेंद्र नामदेव ने किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र नामदेव, अमित श्रीवास्तव, सुरेंद्र पस्तोर, गिरधर साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश कुमार तनवानी, उपाध्यक्ष गजेंद्र औदिच्य, सचिव हेमराज गुर्जर, संयुक्त सचिव नारायण औदिच्य, डालचंद पाल, कोषाध्यक्ष विजय अरोरा, संजय शर्मा, हरिशंकर प्रजापति, केशव केवट, प्रदीप खटवानी, सुंदर सिंह जाट, हरिओम पाल सहित पत्रकारगण मौजूद रहे।

चंद घंटों में नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर परिजनों को सौंपा, आरोपी गिरफ्तार

विदिशा, देशबन्धु। थाना कुरवाई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुम हुई नाबालिग बालिका को चंद घंटों में सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया। प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

फरियादी द्वारा 17 सितंबर को थाना कुरवाई में सूचना दी गई कि उसकी नाबालिग पुत्री बिना बताए घर से चली गई है। मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए थाना कुरवाई में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। नाबालिग बालिका की शीघ्र तलाश के लिए थाना प्रभारी कुरवाई द्वारा विशेष पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से लगातार पतारसी करते हुए चंद घंटों के भीतर बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया गया। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया एवं काउंसलिंग के उपरांत बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालिका के दस्तयाब होने के बाद लिए गए कथनों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रकरण में धारा 64 (2)(एन), 87 बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। प्रकरण के आरोपी घनश्याम पिता वीरसिंह आदिवासी, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम बिलौदा, थाना कुरवाई की तलाश कर पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय कुरवाई के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेशानुसार उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। उक्त त्वरित कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक आर.के. मिश्रा के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक शिवशंकर यादव, आरक्षक उवेश खान, आरक्षक सौरभ एवं महिला आरक्षक रूपाली की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

जिन प्रतिष्ठानों में एक हजार से कम कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां 7 तारीख से पूर्व किया जाना सुनिश्चित करना होगा

श्रम विभाग ने दिए निर्देश-समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करें

विदिशा, देशबन्धु। जिले के समस्त शासकीय जिला कार्यालयों एवं विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों एवं श्रमिकों को निर्धारित समय-सीमा में वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के संबंध में श्रम विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं। श्रम विभाग ने सभी संबंधित कार्यालयों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों से वेतन भुगतान संबंधी निर्धारित प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

निर्देशों के अनुसार, जिन प्रतिष्ठानों में 1,000 से कम कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां प्रत्येक माह के वेतन का भुगतान अगले माह की 7 तारीख से पूर्व किया जाना सुनिश्चित करना होगा। इसी प्रकार, जिन प्रतिष्ठानों में 1,000 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां संबंधित माह के वेतन का भुगतान अगले माह की 10 तारीख से पूर्व किया जाना आवश्यक है। श्रम विभाग द्वारा संबंधित कार्यालयों एवं औद्योगिक संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों एवं श्रमिकों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करें। वेतन भुगतान में अनावश्यक विलंब न हो, इसके लिए संबंधित नियोक्ताओं एवं प्रतिष्ठान प्रबंधन को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

जिला श्रम पदाधिकारी सुश्री अंकिता राय ने बताया कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों को समय पर वेतन प्राप्त होना उनके आर्थिक हितों एवं कल्याण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा वेतन भुगतान के निर्धारित प्रावधानों एवं समय-सीमा का पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि निर्धारित प्रावधानों का पालन नहीं करने अथवा वेतन भुगतान में अनावश्यक विलंब करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। श्रम विभाग द्वारा संबंधित संस्थानों से कर्मचारियों एवं श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है।

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना से नैंसी के सपनों को मिली नई उड़ान

विदिशा, देशबन्धु। विदिशा जिले के ग्राम नरखेड़ा खड़ैया की होनहार छात्रा सुश्री नैंसी रघुवंशी ने अपनी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रदर्शन से परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जोहद में अध्ययनरत नैंसी ने कक्षा 12वीं के कला संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नैंसी की इस उपलब्धि को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के अंतर्गत उन्हें स्कूटी क्रय करने के लिए 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खाते में प्रदाय की गई है। योजना का लाभ मिलने से नैंसी को अपनी आगे की पढ़ाई के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी और शैक्षणिक गतिविधियों में भी सहूलियत होगी। मुख्यमंत्री स्कूटी योजना का लाभ मिलने पर सुश्री नैंसी रघुवंशी ने मध्यप्रदेश शासन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि शासन की यह योजना विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। नैंसी ने कहा कि शासन से मिला यह प्रोत्साहन उनके लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी मेहनत और लगन के साथ अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रेरित करती है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

अडानी पोर्ट्स	3.72 प्रतिशत
पावरग्रिड	2.47 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	2.26 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.11 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.08 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

टीसीएस	4.33 प्रतिशत
टाइटन	2.11 प्रतिशत
एशियन पेंट्स	2.00 प्रतिशत
मारुति सुजुकी	1.98 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.82 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,56,600
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,42,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.16	94.09
पौड स्टर्लिंग	130.38	125.76
यूरो	112.08	107.91
चीन युआन	15.20	13.48

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	5,412
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	5,976

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	8,039.75
मसूर काली	8152.34
उड़द दाल	11324.62
मूंग दाल	10201.52
अरहर दाल	11504.01

भारत तेज विकास के दौर में कर रहा प्रवेश

चेन्नई, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत अपने इतिहास के सबसे तेज विकास के दौरान में प्रवेश करने जा रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेक्नोलॉजी और नए नियामक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार देंगे। चंद्रशेखरन ने कहा कि ग्रेजुएट्स तेजी से बदलते हुए, लेकिन अधिक मौकों वाले दौर में कदम रख रहे हैं और एआई आने वाले समय में ऐसे नए सेक्टर पैदा करेगा, जिसका फिलहाल अंदाजा लगाना मुश्किल है। चंद्रशेखरन ने कहा कि मौजूदा समय में एआई से नौकरियों के कम होने पर विस्तार से चर्चा चल रही है।

खनिज क्षेत्र में तेजी से विस्तार कर रही सीआईएल

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पारंपरिक कोयला खनन कंपनी से धीरे-धीरे एक विविधीकृत ऊर्जा, खनिज, सामग्री और प्रौद्योगिकी-केंद्रित संगठन के रूप में विकसित हो रही है। कोयला गैसीकरण, कुशल बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम महत्वपूर्ण खनिजों, उन्नत सामग्रियों और अनुसंधान एवं विकास से जुड़ी उसकी पहल इस बदलाव के लिए व्यापक आधार तैयार कर रही हैं। यह जानकारी कंपनी की ओर से रविवार को दी गई।

बयान में कहा गया कि कंपनी का बिजनेस डेवलपमेंट पोर्टफोलियो पांच परस्पर मजबूत करने वाले क्षेत्रों के आसपास संगठित है। इनमें कोयला गैसीकरण और कोयले से रसायन, थर्मल पावर, नवीकरणीय ऊर्जा एवं स्टोरेज, महत्वपूर्ण खनिज एवं उन्नत सामग्री तथा लौह अयस्क सहित विविधीकृत खनिज शामिल हैं। इस पोर्टफोलियो में पहले से ही राष्ट्रीय स्तर की कई परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें चार कोयले से रसायन बनाने वाली पहलों में करीब 69,346 करोड़ रुपए का निवेश,

■ पांच परस्पर मजबूत करने वाले क्षेत्रों के आसपास संगठित है कंपनी का बिजनेस डेवलपमेंट पोर्टफोलियो

2म800 मेगावाट चंद्रपुरा अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विस्तार, लगभग 550 मेगावाट की चालू सौर क्षमता, ग्रिड-स्तरीय बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम परियोजनाएं तथा महत्वपूर्ण खनिजों और डाउनस्ट्रीम सामग्रियों से जुड़े अवसर शामिल हैं।

कोयला गैसीकरण में कोयले को सिंथेसिस गैस या सिनगैस में बदला जाता है। इसका इस्तेमाल सिंथेटिक नेचुरल गैस (एसएनजी), अमोनिया, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, मेथनॉल और अन्य रसायनों के उत्पादन में किया जा सकता है। यह तकनीक कोयले से रासायनिक मूल्य हासिल करने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है। सीआईएल की कोयले से रसायन बनाने वाली चार प्रमुख पहलों में तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोल गैस इंडिया लिमिटेड और सीआईएल-बीपीसीएल चंद्रपुरा कोल-टू-एसएनजी पहल शामिल हैं।

एनटीपीसी ने रद्द किया 413 करोड़ रुपए का मौदा बीईएसएस अनुबंध

नई दिल्ली। एनटीपीसी लिमिटेड ने महाराष्ट्र स्थित अपने मौदा सुपर थर्मल पावर स्टेशन में 400 एमडब्ल्यूएच क्षमता का बैटरी ऊर्जा भंडारण तंत्र (बीईएसएस) स्थापित करने के लिए जीआर इंफ्राप्रोजेक्ट लिमिटेड (जीआरआईएल) को दिया गया ठेका रद्द कर दिया है। कंपनी ने यह कदम ठेकेदार के अनुबंधित दायित्वों को पूरा न करने और परियोजना की आवश्यक प्रगति हासिल करने में विफल रहने पर उठाया है। मार्च 2026 में 413.37 करोड़ रुपए का यह ठेका दिया गया था, जिसे राष्ट्रीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप 15 महीनों के भीतर पूरा किया जाना था। महत्वपूर्ण गतिविधियों में हालांकि परियोजना को भारी देरी का सामना करना पड़ा। कंपनी के अनुसार, एनटीपीसी ने तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के लिए जीआरआईएल को अनुबंधीय नोटिस भी जारी किया था, लेकिन ठेकेदार आवश्यक उपाय करने में नाकाम रहा। नतीजतन, एनटीपीसी ने तत्काल प्रभाव से अनुबंध समाप्त कर दिया। इसके अलावा अनुबंधित प्रावधानों के अनुसार कंपनी ने लगभग 91 करोड़ रुपए की उपलब्ध प्रतिभूतियों को भुना लिया है। एनटीपीसी ने कहा कि मौदा बीईएसएस परियोजना ग्रिड लचीलेपन को मजबूत करने और नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण को समर्थन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनी हुई है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में भारत के निर्यात में आई तेजी

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले साझेदार देशों को भारत के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। सिंगापुर और श्रीलंका को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़ा है, जबकि आसियान देशों को निर्यात में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि व्यापार समझौते वास्तव में परिणाम देने लगे हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

'द गार्जियन' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि भारत का बढ़ता व्यापार समझौतों का नेटवर्क अब बातचीत के जरिए मिले बाजार पहुंच के लाभ को वास्तविक निर्यात वृद्धि में तेजी से बदल रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात अब तक के सर्वोच्च स्तर 863.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8

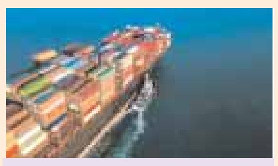

■ एफटीए के लागू होने का हुआ असर

अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 421.3 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एफटीए साझेदार देशों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत केवल अपने निर्यात की मात्रा नहीं बढ़ा रहा है, बल्कि बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए तरजीही व्यापार व्यवस्थाओं का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 के दौरान सिंगापुर को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 101.2 प्रतिशत बढ़कर 6.52 अरब डॉलर हो गया।

सरकार रेशम उत्पादन क्षेत्र के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध : गिरिराज

मुंबई, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार देश के रेशम उत्पादन क्षेत्र के विस्तार और रेशम किसानों की आर्थिक प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है और 2030-31 तक उत्पादन को 60,000 मीट्रिक टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। यह बयान रविवार को केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने दिया। बेंगलुरु के यूएएस-जीकेवीके सभागार में केंद्रीय रेशम बोर्ड के 77वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में सिंह ने कहा, 'देश का रेशम उत्पादन जो 2014 में 26,000 मीट्रिक टन था, आज बढ़कर 42,000 मीट्रिक टन हो गया है। 2030-31 तक इसे 60,000 मीट्रिक टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है और 2028-29 तक भारत को रेशम उत्पादन में विश्व स्तर पर पहले स्थान पर लाने का संकल्प लिया

■ उत्पादन 2030-31 तक 60 हजार मीट्रिक टन तक बढ़ाने का लक्ष्य

गया है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में शहतूत के पत्तों की पैदावार बढ़ाकर और रेशम के कीड़ों के पालन-पोषण के चक्रों को बढ़ाकर किसानों की वार्षिक आय को 10 लाख से 12 लाख रुपए तक बढ़ाने की आकांक्षा है। मंत्री ने रेशम उत्पादक किसानों में प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर 'सर्वश्रेष्ठ रेशम किसान' पुरस्कार प्रतियोगिताओं के आयोजन का आह्वान किया।

वैश्विक स्थिति व घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगी बाजार की चाल

मुंबई, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होगा। अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमत, अमेरिकी टैरिफ, बॉन्ड यील्ड और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। मध्यपूर्व में अमेरिका-ईरान तनाव पर आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें रहेंगी। इसमें आने वाले किसी भी अपडेट का सीधे बाजार पर असर हो सकता है।

अमेरिका में टैरिफ से जुड़े घटनाक्रम पर भी निवेशकों का फोकस रहेगा। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला एक बिल मंजूर किया है। इस बिल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा जो रूस से तेल और गैस खरीदते हैं। इस कदम का

असर भारत और चीन जैसे बड़े आयातकों पर पड़ सकता है और इससे ग्लोबल ट्रेड और एनर्जी सप्लाई पर भी असर पड़ सकता है।

कच्चे तेल की कीमतें बाजार में उतार-चढ़ाव की एक और बड़ी वजह बनी रह सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश पर भी करीबी नजर रहेगी। 18 सितंबर को एफआईआई कैश मार्केट में नेट खरीदार रहे। उन्होंने 599.54 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की। घरेलू संस्थागत निवेशक भी नेट खरीदार रहे और उन्होंने 1,019.69 करोड़ रुपए की शुद्ध निवेश किया।

■ सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत गिरकर सप्ताहांत पर 74,294.46 पर रहा

■ निफ्टी 0.22 प्रतिशत गिरकर सप्ताहांत पर 23,346.40 पर

रुपए और डॉलर की चाल से इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा, पीएमआई और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेटा जैसे मासिक घरेलू डेटा भी अगले हफ्ते जारी होंगे, जिनका असर बाजार पर दिख सकता है। भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता कमजोर स्तर पर खत्म किया। ऊर्जा की ऊंची लागत से महंगाई बढ़ने की आशंका और आर्थिक विकास पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया।

सार संक्षेप

एफपीआई की बिकवाली सितम्बर में 23,676 करोड़ रुपए रही

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का आउटफ्लो सितंबर में अब तक (1 से 19 सितंबर) 23,676 करोड़ रुपए रहा है, इससे पहले जुलाई और अगस्त में एफपीआई शुद्ध खरीदार थे। यह जानकारी एनालिस्ट्स की ओर से दी गई। हालांकि, विदेशी निवेशक प्राइमरी बाजार में लगातार खरीदार बने हुए हैं। सितंबर में अब तक, उन्होंने करीब 2,703 करोड़ रुपए का निवेश किया है, जो कि 2026 में एफपीआई द्वारा किया कुल निवेश 48,550 करोड़ रुपए पहुंच गया है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ.वी.के. विजयकुमार ने कहा कि इससे सेकेंडरी मार्केट के सुस्त प्रदर्शन के बावजूद प्राइमरी मार्केट में जारी तेजी की कुछ हद तक वजह समझ में आती है। पिछले हफ्ते बाजार गिरावट के साथ बंद हुए, क्योंकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर डाला।

सेमीकॉन इंडिया 2026 में 56 एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस 'सेमीकॉन इंडिया 2026' ने निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिए बड़ा मंच दिया। इस इवेंट में 600 से ज्यादा प्रदर्शक, करीब 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और 52 देशों की भागीदारी रही। इस दौरान डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और रिसर्च से जुड़े 56 एमओयू, घोषणाएं और रणनीतिक पहल हुईं। सरकारी बयान के अनुसार, भारत की इस पांचवीं फ्लैगशिप सेमीकंडक्टर कॉन्फ्रेंस ने घरेलू सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास में एक और कदम बढ़ाया है। इस बार 6 कंट्री पवेलियन लगाए गए थे, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन शामिल थे। इसके साथ ही 12 राज्यों के पवेलियन, एक स्टार्टअप पवेलियन, वर्कफोर्स डेवलपमेंट जोन, इनोवेशन शोकेस और स्टूडेंट हैकाथॉन भी आयोजित किया गया।

सीए के काम में मददगार हो सकती है एआई

कोच्चि। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के अध्यक्ष प्रसन्ना कुमार डी. का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चार्टर्ड अकाउंटेंट के काम में मददगार हो सकती है, लेकिन उसकी जगह कभी नहीं ले सकती। श्री प्रसन्ना ने कहा कि एआई डाटा तैयार करने में काफी सहायक है, इससे ऑडिटिंग के काम में लगने वाला समय काफी कम हुआ है, लेकिन यह एक सीए की भूमिका को समाप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि नैतिकता बनाए रखने के लिहाज से भी यह जरूरी है। उन्होंने कहा कि एआई कभी भी चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए रोजगार का संकट नहीं बन सकता, ऐसा कभी नहीं होगा। यह (चार्टर्ड अकाउंटेंसी का) काम सिर्फ इंसान ही कर सकते हैं। एआई के इस्तेमाल के प्रति सावधानी बरतने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि एआई से जो नतीजे सामने आते हैं, उन पर आंख बंद करके भरोसा नहीं किया जा सकता।

असम में अडाणी पावर के थर्मल प्लांट की रखी आधारशिला

गुवाहाटी, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को धुबरी जिले के चापर में अडाणी पावर लिमिटेड के 3,200 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी। यह राज्य के इतिहास में सबसे बड़े प्राइवेट निवेश में से एक है। लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से असम की बिजली उत्पादन क्षमता में तेज बढ़ोतरी होने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। कंपनी के अनुसार, इस प्लांट के निर्माण के दौरान 20,000 तक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है और इसके चालू होने पर लगभग 5,000 स्थायी और अप्रत्यक्ष नौकरियां मिलेंगी।

शिलान्यास समारोह में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, समुदाय के नेता और अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर जीत अडाणी शामिल हुए। चापर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, असम के पावर सेक्टर में अडाणी ग्रुप के 63,000 करोड़ रुपए के बड़े निवेश प्लान का एक अहम हिस्सा है। इस प्लांट को दिसंबर 2030 से अलग-अलग चरणों में शुरू किया जाएगा और इसमें 800 मेगावाट की चार यूनिट होंगी। इसमें अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे आधुनिक पर्यावरण सुरक्षा उपायों के साथ-साथ क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री

सरमा ने कहा कि असम तेजी से पूर्वोत्तर के लिए एक एनर्जी हब के तौर पर उभर रहा है और राज्य में कई बड़े एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

■ प्लांट के निर्माण के दौरान 20 हजार तक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद

उन्होंने चापर प्रोजेक्ट को 'एडवांटेज असम इन्वेस्टर समिट 2.0' के दौरान किए गए निवेश के वादों का एक बड़ा नतीजा बताया। उन्होंने कहा, 'लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, यह प्रोजेक्ट असम में अब तक किए गए सबसे बड़े सिंगल इन्वेस्टमेंट में से एक होगा। राज्य में ग्रुप की बड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए जीत अदाणी ने कहा कि पावर, एविएशन और सीमेंट सेक्टर में 80,000 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश पहले ही जमीनी स्तर पर प्रोजेक्ट्स का रूप ले रहा है।

असम में भारत की बैटरी बनने की क्षमता : जीत अडाणी

गुवाहाटी। अडाणी ग्रुप के निदेशक जीत अडाणी ने रविवार को कहा कि असम में देश के बड़े एनर्जी हब के रूप में उभरने की क्षमता है और यह भारत की बैटरी बन सकता है। राज्य के धुबरी जिले के चापर में अडाणी पावर के 3,200 मेगावाट के थर्मल पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में जीत अडाणी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में असम में जबरदस्त बदलाव आया है और राज्य भारत में निवेश के लिए सबसे आकर्षक जगहों में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, 'पिछले 5 सालों में मैं 40 बार असम आया हूं। लेकिन आज इस खूबसूरत जमीन पर आप सबके बीच खड़ा होना मेरे लिए बहुत बड़े सम्मान की बात है। जीत अडाणी ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले सालों में असम न सिर्फ अपनी जरूरतों के लिए ऊर्जा पैदा करेगा, बल्कि एक बड़ा एनर्जी हब भी बनेगा और पूरे देश की सुरक्षा को ऊर्जा देगा।

सरकार की पहलों के कारण बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत हुई : डॉ. मुरुगन

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने बताया कि सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि देश में स्टार्टअप्स की संख्या, जो 2014 में लगभग 400 थी, बढ़कर 2.5 लाख से अधिक हो गई है और यह भी उल्लेख किया कि स्टार्टअप संस्थापकों में एक महत्वपूर्ण संख्या 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं की है।

मुरुगन ने निरंतर सीखने, नई तकनीकों को अपनाने और पेशेवर कौशल के नियमित उन्नयन के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जा जैसे अग्रणी क्षेत्रों में युवाओं के लिए बढ़ते अवसरों के बारे में बताया साथ ही अंतरिक्ष, रक्षा, शिक्षा, शासन और सार्वजनिक प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि 'रोजगार मेलों' के

माध्यम से अब तक 12.75 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं, जो युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर सरकार के समर्पित जोर को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में भर्ती होने वाले नए युवा 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने भर्ती होने वाले लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों को केवल रोजगार सुरक्षित करने के रूप में न देखें, बल्कि राष्ट्र की सेवा करने और इसके समग्र विकास में योगदान देने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र केवल नियुक्ति का आदेश नहीं है बल्कि राष्ट्र की सेवा करने का एक अवसर है।

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से चीन में युवाओं की नौकरियों पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से काम करने के तौर-तरीके बदल रहे हैं। इससे प्रोडक्टिविटी तो बढ़ रही है, लेकिन नौकरियां जाने का डर भी बढ़ गया है, खासकर युवाओं में।

क्वार्ट्ज की रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे बीजिंग अर्थव्यवस्था के लगभग हर सेक्टर में एआई को शामिल करने की कोशिश कर रहा है, इसका असर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर डिलीवरी सर्विस तक हर क्षेत्र में कर्मचारियों पर दिखने लगा है। इनमें से एक हैं बीजिंग के प्रोग्रामर फेई झाओजुन, जिन्होंने अपनी नौकरी तब गंवा दी जब उनकी कंपनी ने यह देखना शुरू किया कि क्या एआई इंसानों वाले कोडिंग के काम कर सकता है। फेई उन करीब 160 कर्मचारियों में से थे जिनकी कंपनी में छंटनी के दौरान नौकरी चली गई। उन्होंने कहा कि एआई की क्षमता लगातार बेहतर हो रही है और कई मिड-लेवल प्रोग्रामिंग की नौकरियां अब आसानी से बदली जा सकती हैं। नौकरी जाने के बाद फेई ने टेक इंडस्ट्री से दूरी बना ली है और अब शॉर्ट वीडियो बना रहे हैं, साथ ही अगले करियर के बारे में सोच रहे हैं।

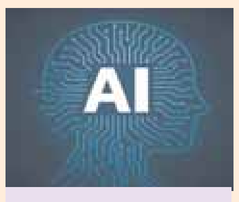

■ चीन में हैरान करने वाली है एआई अपनाने की रफ्तार

चीन में एआई अपनाने की रफ्तार हैरान करने वाली है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म आईडीसी के अनुसार, 2024 में 10 प्रतिशत से भी कम चीनी औद्योगिक कंपनियां एआई मॉडल और एजेंट का इस्तेमाल कर रही थीं। पिछले साल यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 50 प्रतिशत हो गया। यह दिखाता है कि कंपनियां कितनी तेजी से खर्च कम करने और काम तेज करने के लिए इस तकनीक को अपना रही हैं। इस बदलाव का असर रोजमर्रा की जिंदगी में भी दिख रहा है।

भारत के युवा इंजीनियरों को एकेडमिक सीमाओं से आगे बढ़ना होगा : सिंह

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। मिजोरम के गवर्नर जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने इंजीनियरों की अगली पीढ़ी से अलग-अलग विषयों को मिलाकर सोचने (इंटरडिसिप्लिनरी सोच) की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य का तकनीकी नेतृत्व उन इंजीनियरों पर निर्भर करेगा जो पारंपरिक एकेडमिक और प्रोफेशनल सीमाओं से हटकर काम कर सकते हैं। राज्यपाल ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (आईईआई) द्वारा आयोजित 18वें आईईआई इंडस्ट्री एक्सीलेंस समिट एंड अवार्ड्स 2026 को संबोधित करते हुए भारत के विकास में इंजीनियरिंग की अहम भूमिका पर जोर दिया और युवा प्रोफेशनल्स से उस विरासत को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

यह समिट 'इंजीनियरिंग इंडियाज ग्लोबल फुटप्रिंट: टेक्नोलॉजी, टैलेंट एंड ट्रस्ट' (भारत की ग्लोबल पहचान बनाना: टेक्नोलॉजी,

देश के विकास के अगले चरण को आकार देने की जिम्मेदारी आज के इंजीनियरिंग टैलेंट पर है : वी के सिंह

टैलेंट और भरोसा) थीम पर आयोजित की गई थी। जनरल विजय कुमार ने कहा कि भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियां कई क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जिनमें बांध, स्टील प्लांट, हाईवे, मेट्रो नेटवर्क, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, स्पेस प्रोग्राम, स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि भारत ने पहले ही कई अहम उपलब्धियां हासिल कर ली हैं लेकिन देश के विकास के अगले चरण को आकार देने की जिम्मेदारी आज के इंजीनियरिंग टैलेंट पर है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के अलग-अलग विषयों के बीच की सीमाएं तेजी से खत्म हो रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल इंजीनियरों को अब ज्योग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाइमेट मॉडलिंग जैसी टेक्नोलॉजी में महारत हासिल करने की जरूरत है जबकि मैकेनिकल इंजीनियर रोबोटिक्स और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रहे हैं।

इसी तरह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर एनर्जी स्टोरेज और स्मार्ट-ग्रिड टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं और सॉफ्टवेयर इंजीनियर हार्डवेयर सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी और फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर से तेजी से जुड़ रहे हैं।

सार-समाचार

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने रचा कीर्तिमान: डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एशियन गेम्स-2026 में भारत की बेटियों ने कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर राइफल वूमेन्स टीम के फाइनल इवेंट में रजत पदक जीतने पर एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर एवं विदरसा के. विनोद को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी की यह उपलब्धि युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही देश के करोड़ों खेल प्रेमियों को उत्साह से भर देने वाली है।

उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने के लिए नीति संवाद आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के सहयोग से सोमवार, 21 सितम्बर को भोपाल में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरण विषय पर नीति संवाद आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रात: 10 बजे से एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में होगा। इसमें नीति-निर्माताओं, विषय-विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थाओं, उद्योग प्रतिनिधियों, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी स्वागत उद्बोधन देंगे। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन शुक्ला प्रारंभिक उद्बोधन देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर प्रदेशभर में होंगे आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रदेशभर में गरिमा और सम्मान के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने ज्ञान, अनुभव और परिश्रम से परिवार, समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के लिए संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना हम सभी का दायित्व है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन बनकर न रह जाएं। इनमें वृद्धजनों की अधिकतम और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके साथ संवाद किया जाए तथा उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं के निराकरण की दिशा में सार्थक पहल की जाए।

मुख्यमंत्री ने की घोषणा : नीमच में एयरपोर्ट और सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनेगा

साढ़े 3 लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े 3 लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत सभी जिलों में सेवा, जनभागीदारी और जनकल्याण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि संकल्प से ही शक्ति और विकास का मार्ग प्रशस्त होता है तथा प्रदेश सरकार इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच के विकास, नागरिकों के जुझारूपन और उद्यमशीलता की सराहना की। डॉ. यादव ने सेवा से संकल्प अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विधायक दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा एवं वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने अभियान में सहभागी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं विभिन्न संगठनों की सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, आयुक्त उज्जैन संभाग आशीष सिंह, पुलिस महानिरीक्षक राकेश गुप्ता सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिंहस्थ 2028 : मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का लिया जायजा

रहवासियों से किया संवाद, बच्चों से हाथ मिलाकर बढ़ाया उत्साह

उज्जैन/ भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सिंहस्थ महापर्व के लिए उज्जैन शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीलगंगा से केटीएम गैस इंडिया चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य तथा शांतिनगर से इंदौर रोड तक किए जा रहे नवीन मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान डॉ. यादव ने मार्ग में स्थानीय रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और स्थानीय नागरिकों द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर विकास कार्यों के लिए मकान और दुकानें प्रभावित हो रही हैं, वहां भी स्थानीय रहवासी फूलों से स्वागत कर रहे हैं। यह उज्जैन के नागरिकों के बड़े मन और विकास के प्रति उनकी सकारात्मक भावना को दर्शाता है। डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। उनकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं की चिंता करना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है। उज्जैन के सभी समाजों के नागरिक शहर के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस भाव और समर्पण के साथ नागरिक चौड़ीकरण एवं अन्य विकास कार्यों में सहयोग कर रहे हैं, वह सराहनीय है, उसके लिए सभी नागरिकों को बधाई।

मुख्यमंत्री के नीमच पहुंचने से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष को किया नजरबंद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नीमच आगमन से पहले रविवार को जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई। कार्यक्रम से पहले पुलिस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। उनके घर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस की कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ा एतराज जताया है। बाहेती ने कहा कि विरोध प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार है। प्रदर्शन की आशंका के आधार पर नजरबंद जैसी कार्रवाई सरकार की तानाशाही का प्रतीक है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा पुलिस बल के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। इसके बाद आवास के मुख्य द्वार पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई और बाहेती को घर से बाहर निकलने से रोक दिया गया। इस कार्रवाई के बाद शहर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। बताया गया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन अथवा काले झंडे दिखाए जाने की आशंका के चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक ओर गांधीसागर में मुख्यमंत्री द्वारा चीतों को छोड़े जाने का कार्यक्रम था।

एआईएमआईएम के इकलौते पार्षद ने दिया इस्तीफा

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में पार्षद रफीक अहमद ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश प्रभारी सैयद मिनहाजउद्दीन को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बुरहानपुर नगर निगम में एआईएमआईएम पार्टी के रफीक अहमद एकलौते पार्षद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पार्टी में जिम्मेदार लीडरशीप नहीं बची है। पार्टी में गरीब नेताओं को नजरअंदाज करके अमीरों को तवज्जो दी जाती है। इनके इस्तीफे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने पार्षद के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, इस्तीफा देने वाले पार्षद का मेरे पास अधिकारिक रूप से इस्तीफा नहीं आया है। मैं इस्तीफा देने के कारणों का पता करता हूं, ताकि इस पर मंथन किया जा सके। प्रदेशाध्यक्ष मोहसिन शनिवार को बुरहानपुर के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जिला संगठन में फेरबदल करते हुए डॉ. जीशान को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि रफीक अहमद ने जिला अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दिया।

इंदौर में कार्यक्रम के बाद कांग्रेस उत्साहित, पटवारी बोले -

हर जिले में होगा छात्रों की गूंज कार्यक्रम

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शनिवार को हुए छात्रों की गूंज कार्यक्रम से कांग्रेस उत्साहित है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा की है कि अब हर जिले में ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इंदौर में मीडिया से चर्चा करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम से लाखों परिवार जुड़े, ये गूंज समाप्त नहीं होगी। अब जिलास्तर पर अभिभावक और छात्रों के बैनर तले ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, छात्रों की समस्या को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। शनिवार को जिस प्रकार का साथ युवा साथियों ने दिया, वह अकल्पनीय था. इसलिए अब सरकार और सरकार से जुड़े संगठनों को बहुत ताकत से छात्रों की गूंज सुनाई दे रही है। पटवारी ने कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि इंदौर में इतिहास रचा गया है और छात्रों की समस्याओं को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं की मौजूदगी उनकी उम्मीद से भी ज्यादा रही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं एवं छात्रों ने एक नया अध्याय लिख दिया है। भाजपा द्वारा इस आयोजन को झूठ की दुकान कहे जाने को लेकर पटवारी ने भाजपा से सवाल किया है, जो बच्चे सवाल उठा रहे हैं वह झूठे हैं या उनके परिजन झूठे हैं। भाजपा स्पष्ट करे कि नीट में जिन बच्चों ने जान दी वे झूठे थे या या फिर 50 प्रतिशत बच्चे झूठे हैं, जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं और अपनी बात सार्वजनिक मंच पर उठा रहे हैं।

दयाशंकर मिश्र की पुस्तक अख़लाक़ पर परिचर्चा

भीड़ हिंसा मानवता के लिए बड़ा ख़तरा : दिग्विजय

वरिष्ठ पत्रकार मिश्र को मिला सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर मिश्र को भोपाल के गांधी भवन में बहुजन इंटेलेक्ट सम्मान से अलंकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान प्रदेश की सामाजिक संस्था बहुजन इंटलेक्ट द्वारा उनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक अख़लाक़ भारत में भीड़ हिंसा की विस्तृत ज़मीनी पड़ताल के लिए दिया गया।

इस अवसर पर किताब पर हुई परिचर्चा में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि दयाशंकर मिश्र हमारे समय के निर्भीक लेखक और पत्रकार हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पीड़ित परिवारों, आरोपियों और नीति नियंताओं से विषम परिस्थितियों में बातचीत कर यह दस्तावेजी महत्व की किताब प्रकाशित की है। सिंह ने भीड़ हिंसा को बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि यह किताब देश के अल्पसंख्यक समाज को यह हौसला देती है कि भारत का संविधान और बहुसंख्यक समुदाय इस तरह की हिंसा के खिलाफ है और उनके साथ खड़ा है। इस पुस्तक में गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पिछले कुछ वर्ष में हुई भीड़ हिंसा की घटनाओं और उनके बाद के हालात की जमीनी पड़ताल की गई है। किताब अमेरिका में भीड़ हिंसा के इतिहास से शुरू होकर भारत के वर्तमान की तुलना करती है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विजय बहादुर सिंह ने अपने लिखित संदेश में कहा कि अहिंसा और अवैर सनातन धर्म का मूल लक्षण है। जो लोग धर्म के आधार पर हिंसा करते हैं, वे हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। मिश्र ने कहा कि इस किताब को लिखना उनके लिए एक बड़ी पीडा से गुजरना था। जिन परिवारों के सदस्य बिना किसी गुनाह के कत्ल कर दिए गए, उनसे उनके दर्द के बारे में बातचीत करना उनके जख्मों को कुरेदने जैसा था। लेकिन यह कठिन काम करना हमारे समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि भीड़ हिंसा सिर्फ अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, इनके पीछे राजनैतिक स्वार्थ हैं जो भीड़ हिंसा के ईंधन का काम करते हैं।

कांग्रेस केंद्रीय वार रूम प्रशिक्षण प्रभारी प्रोफेसर सौरभ वाजपेयी ने कहा कि दयाशंकर की किताब हमारे समाज को आईना दिखाने का काम करती है। जरूरत इस बात की है कि हम हिंदू-मुसलमान के भेद को मिटाकर संवैधानिक और सच्चे धार्मिक मूल्यों के आधार पर अपने राष्ट्र का नवनिर्माण करें।

पूर्व आईएएस अधिकारी श्रीमती शैलबाला मार्टिन ने कहा कि मॉब लिंचिंग की घटनाएं भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को शर्मसार करती हैं। इसके शिकार मुख्य रूप से मुस्लिम, ईसाई, दलित और आदिवासी बन रहे हैं। इस प्रवृत्ति के खिलाफ देश को एकजुट होने की जरूरत है। इस अवसर पर गांधी भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि हम सबको महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस रास्ते में सांप्रदायिक घृणा और हिंसा के लिए जगह नहीं है। सामाजिक सद्भाव के लिए यह किताब महत्वपूर्ण है।

सभा को साहित्यकार ओम प्रकाश बबेले, डॉ मेजर मनोज राजे, पत्रकार कासिफ काकवी, सामाजिक कार्यकर्ता इनायत अब्बास ने भी संबोधित किया। संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सुनील बोरसे ने किया।

जम्मू-कश्मीर में अब शैक्षणिक कलेंडर में बदलाव की ओर सरकार

स्कूलों में 5 दिन पढ़ाई के प्रस्ताव को लेकर छिड़ी नई बहस

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर में सरकारी और निजी स्कूलों के लिए सप्ताह में पांच दिन कामकाज और शनिवार-रविवार अवकाश की संभावना ने शिक्षा व्यवस्था में नई बहस छेड़ दी है। शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने प्रस्ताव की व्यवहार्यता जांचने की बात कही है। प्रस्ताव को स्कूल शिक्षा के दोनों निदेशालयों जम्मू-कश्मीर के पास परीक्षण के लिए भेजा जाना है।

फिलहाल यह फैसला घोषित नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच दिन का सप्ताह लागू होने का सबसे सीधा असर विद्यार्थियों के आराम, पारिवारिक समय और अतिरिक्त गतिविधियों पर पड़ेगा। जबकि प्रस्ताव रखने वाले विधायक हसनैन मसूदी का तर्क है कि बच्चों को पढ़ाई और भारी होमवर्क के बीच पर्याप्त अवकाश नहीं मिल रहा। दो लगातार छुट्टियां उन्हें मानसिक दबाव से उबरने और खेल, रचनात्मक गतिविधियों तथा परिवार के साथ समय बिताने का अवसर दे सकती हैं। हालांकि इसका दूसरा पहलू पढ़ाई के समय का पुनर्गठन है। छह दिन की जगह पांच दिन स्कूल खुलने पर पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए प्रतिदिन कक्षाओं का समय बढ़ाना पड़ सकता है अथवा छुट्टियों और परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। इससे विशेष रूप से बोर्ड कक्षाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका रहेगी। याद रहे जम्मू-कश्मीर की शिक्षा व्यवस्था पहले ही बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और डिजिटल शिक्षा को विस्तार दे रही है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार 3,008 आईसीटी/सीएएल लैब स्थापित हैं और 2,036 अतिरिक्त लैब तथा 4,272 स्मार्ट कक्षाओं पर काम प्रस्तावित है।

ऐसे में सरकार के सामने अब मूल सवाल छुट्टी बढ़ाने का नहीं, बल्कि पांच दिनों में उतनी ही प्रभावी पढ़ाई सुनिश्चित करने का है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से राय लेकर फैसला किया गया तो यह बदलाव स्कूलों के समय-सारिणी, होमवर्क और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक पुनर्संरचना ला सकता है। वहीं जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में स्कूली बच्चों के लिए 5-दिन के सप्ताह का समर्थन किया। एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए मीरवाइज उमर फारूक ने सरकार के सामने स्कूल का समय कम करने के प्रस्ताव पर कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है और बच्चों की भलाई शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एकत्रीकरण कार्यक्रम में होसबाले बोले-

जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को कमजोर करता है

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित शाखा संगम और स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने भोपाल विभाग के 5 जिलों से आए करीब 30 हजार स्वयंसेवकों को संबोधित किया। होसबाले ने देश की प्रगति के लिए जागृत, एकजुट और समरस समाज के निर्माण पर जोर दिया।

होसबाले ने कहा कि जन्म के आधार पर भेदभाव को हिंदू समाज का हिस्सा नहीं है, जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को अंदर से कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि जातिभेद और छुआछूत जैसी कुप्रथाओं को मिटाने की शुरुआत हर व्यक्ति को अपने घर और दैनिक आचरण से करनी होगी। केवल मंच से भाषण देने से सामाजिक बदलाव संभव नहीं है, इसके लिए व्यवहारिक धरातल पर परिवर्तन लाना जरूरी है।

होसबाले ने पंच परिवर्तन का जिक्र करते हुए सामाजिक समरसता, परिवार और संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य को आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रस्तावों या कागजी बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर नागरिक को अपने घर, कार्यस्थल और बस्ती में पौधे लगाने तथा ऊर्जा के संवर्धन के प्रति सचेत रहना होगा। संकट के समय समाज की सामूहिक भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने असम की बाढ़ का उदाहरण दिया। होसबाले ने बताया कि आपदा के वक्त सेवा भारती के साथ आम लोगों, युवाओं और कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर राहत कार्यों में सहयोग किया। उन्होंने महामना मदन मोहन मालवीय के विचारों को साझा करते हुए कहा कि गांवों और बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए केवल शासन-प्रशासन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय लोगों को भी मिलकर आगे आना चाहिए। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित शारीरिक प्रदर्शन, घोष वादन और संघ गीत प्रस्तुत किए। अंत में उन्होंने भारत की पांच हजार साल पुरानी सांस्कृतिक यात्रा का स्मरण कराते हुए कहा कि देश ने कई संकट झेले हैं, लेकिन हर बार वह और अधिक मजबूत होकर उभरा है।

हिमाचल: कुल्लू में बिना बारिश आया सैलाब

आधी रात घरों में घुसा मलबा लोगों ने भागकर बचाई जान

सैंज (कुल्लू), एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में आधी रात अचानक सैलाब आ गया और लोगों को घर छोड़कर जान बचानी पड़ी। पार्वती जल विद्युत परियोजना चरण-दो के एडिट-5 में टनल लीक होने से रैला पंचायत के पालचरा गांव में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि परियोजना की एडिट-5 में प्रेशर वॉल लीक होने के बाद अचानक भारी मात्रा में पानी बाहर आ गया। बिन बारिश साफ मौसम में पानी का सैलाब देख लोग हैरान हो गए व तुरंत भागने की तरकीब ही अपनाई। पानी के तेज बहाव के साथ एनएचपीसी की डंपिंग साइट का मलबा भी नीचे की ओर बहकर रिहायशी क्षेत्र तक पहुंच गया। इससे पालचरा गांव में कई परिवारों के घर, दुकान व होमस्टे चपेट में आ गए। अचानक आई इस स्थिति से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पानी और मलबे के घरों तक पहुंचने के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। कई लोगों ने रात अपने रिश्तेदारों के घर गुजारी। ग्रामीणों के अनुसार एनएचपीसी की डंपिंग साइट पर पड़ा भारी मलबा पानी के बहाव के साथ बहकर उनके घरों तक पहुंचा, इससे कई परिवारों को भारी नुकसान होने की बात सामने आई है। कई रिहायशी मकानों के आसपास मलबा जमा हो गया, जबकि रास्तों और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण परियोजना प्रबंधन तथा प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करवाने की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों में दहशत का माहौल : ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में इस तरह पानी और मलबा आने से भविष्य में भी खतरा बना रह सकता है। उन्होंने मांग उठाई कि प्रभावित परिवारों के नुकसान का जल्द आकलन किया जाए तथा उन्हें सुरक्षित स्थान उपलब्ध करवाने के साथ उचित राहत दी जाए। इसके अलावा डंपिंग साइट से मलबा नीचे की ओर न पहुंचे, इसके लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाएं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चावड़ा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।